अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 274 लखनऊ, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

अटल पेंशन योजना से नौ करोड़ से ज्यादा लोग जुड़े

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की एक प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना 'अटल पेंशन योजना' (एपीवाई) से जुड़ने वालों की संख्या 21 अप्रैल तक नौ करोड़ के पार पहुंच गई है। यह योजना पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा चलाई जाती है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में 1.35 करोड़ से ज्यादा नए लोगों ने इस योजना में नामांकन कराया, जो अब तक एक साल में सबसे ज्यादा है। यह योजना 9 मई 2015 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गरीब और वंचित वर्ग को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा देना है। यह एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है।इस योजना के तहत 60 साल की उम्र के बाद हर महीने 1,000 से 5,000 रुपये तक पेंशन मिलती है। अगर योजना में शामिल व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसके जीवनसाथी को पेंशन मिलती रहती है। दोनों के निधन के बाद जमा पैसा परिवार के नामित सदस्य को दिया जाता है।

ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नियम 1 मई से होंगे प्रभावी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नियम तैयार कर लिए हैं और यह 1 मई से प्रभावी होंगे। इससे जुड़े अधिनियम को पिछले साल अगस्त में संसद ने पारित किया था। इसका उद्देश्य लोगों को पैसे के लेन-देन से जुड़े ऑनलाइन गेम्स के खतरों से बचाना था। मंत्रालय के अनुसार अंतर-मंत्रालयी परामर्श और विधि मामलों के विभाग की गहन जांच-पड़ताल के बाद नियमों को अंतिम रूप दिया गया है। नियमों का उद्देश्य अधिनियम को प्रभावी तौर पर लागू करने के लिए स्पष्ट और समयबद्ध ढांचा प्रदान करना है।

4 मई को बंगाल में लहराएगा भगवा, शुरू होगी टीएमसी के गुंडों की उल्टी गिनती

- मुख्यमंत्री ने कहा, बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से, बंगाल का अस्तित्व मिटाना चाहते हैं बुआ-भतीजा

एजेंसी

कोलकाता/नदिया/हावड़ा।। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ममता बनर्जी को ललकारते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में 4 मई को भगवा लहराएगा। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के गुंडों की उल्टी गिनती शुरू होगी। उन्होंने इशारों में ममता व अभिषेक बनर्जी पर प्रहार करते हुए कहा कि बुआ-भतीजा बंगाल का अस्तित्व मिटाना चाहते हैं।

कोलकाता का मेयर कहता है कि यहां ऊर्दू चलेगी। कोई माई का लाल बंगाली अस्मिता से खिलवाड़ नहीं कर सकता। टीएमसी के लोग जान लें कि बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से है। सीएम योगी बुधवार को पश्चिम बंगाल के जोरासांको, चकदहा व उदयनारायणपुर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। बंगाल में उनका जादू लगातार सिर चढ़कर बोल रहा है। टीएमसी के गुंडों की अराजकता व धमकी के बावजूद हजारों की भीड़ चिलचिलाती धूप में सिर पर गमछा और छाता लिए सीएम योगी को देखने-सुनने के लिए उमड़ पड़ी।

जनसभाओं में आए अधिसंख्य लोग हाथ में पोस्टर लिए हुए थे, जिन पर लिखा था- 'योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं।'

सीएम योगी ने कहा कि 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होना है। इसमें 80 फीसदी सीटें भाजपा जीतने जा रही हैं। जब 4 मई को परिणाम आएंगे तो बंगाल में भगवा ध्वज लहराया जाएगा। बंगाल फिर से हयसोनार बांग्लाहृण बनकर अपनी पहचान स्थापित करेगा।

संभल जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर विवाद

सुप्रीम कोर्ट के स्टे के चलते सुनवाई टली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने के दावे से जुड़ी याचिका पर बुधवार को प्रस्तावित सुनवाई नहीं हो सकी। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए स्टे आदेश के कारण सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 मई 2026 की तारीख तय कर दी है।

यह याचिका आठ याचिकाकर्ताओं की ओर से 19 नवंबर 2024 को सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में दाखिल की गई थी, जिसमें शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया है। इससे पहले इस मामले की सुनवाई 24 मार्च को हुई थी और अब ताजा सुनवाई के लिए नई तारीख निर्धारित की गई है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा के अनुसार, मामले में अब अगली सुनवाई 26 मई को होगी। उन्होंने बताया कि सिविल कोर्ट द्वारा मस्जिद परिसर के सर्वे के आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय पहुंचा था, लेकिन वहां उनकी याचिका खारिज कर दी गई और निचली अदालत के आदेश को सही ठहराया गया। इसके बाद मस्जिद पक्ष ने इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी, जहां से उच्च न्यायालय के आदेश पर स्टे मिल गया। उच्चतम न्यायालय में इस मामले पर एक बार सुनवाई हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है, जिसके चलते स्टे आदेश प्रभावी बना हुआ है। मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने भी पुष्टि की कि उच्चतम न्यायालय के स्टे के कारण फिलहाल निचली अदालत में सुनवाई आगे नहीं बढ़ सकती, इसलिए अगली तारीख 26 मई तय की गई है। गौरतलब है कि इस मामले में अभी तक मुस्लिम पक्ष की ओर से लिखित बयान (डब्ल्यूएस) भी दाखिल नहीं किया गया है।

यूपी गुंडा एक्ट : सिर्फ दो मुकदमों से किसी को गुंडा नहीं कहा जा सकता : हाईकोर्ट

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश रद्द किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

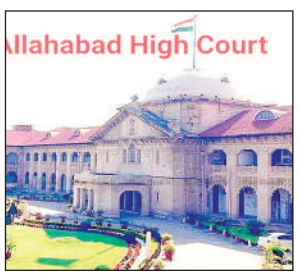

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल एक या दो आपराधिक मामलों के आधार पर किसी व्यक्ति को 'गुंडा' घोषित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि ऐसा करना व्यक्ति और उसके परिवार की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है।

जस्टिस संदीप जैन की एकल पीठ ने यह टिप्पणी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें छह महीने के बाहर भेजने के आदेश को चुनौती दी गई थी। यह आदेश बुलंदशहर के एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) द्वारा पारित किया गया था, जिसे मेरठ मंडल के आयुक्त ने भी बरकरार रखा था। प्रशासन ने याचिकाकर्ता सत्येन्द्र के खिलाफ दर्ज दो आपराधिक मामलों के आधार पर उसे आदतन अपराधी बताते हुए समाज के लिए खतरा माना था। यह भी कहा गया था कि उसकी गतिविधियों से इलाके में भय का माहौल बन गया है, जिससे लोग उसके खिलाफ गवाही देने से कतराते हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि आदतन अपराधी साबित करने के लिए केवल कुछ अलग-थलग घटनाएं पर्याप्त नहीं हैं। अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम, 1970 के तहत कार्रवाई के लिए यह दिखाना जरूरी है कि व्यक्ति लगातार अपराधों में लिप्त रहा हो। अदालत ने अपने पूर्व फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि एक या दो मामलों से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि व्यक्ति आदतन अपराधी है। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि घटनाओं के बीच लंबा अंतर हो तो आदतन होने का तत्व और भी कमजोर हो जाता है।

इन तथ्यों को देखते हुए अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता को केवल दो मामलों के आधार पर गुंडा घोषित करना उचित नहीं है। इसलिए उसके खिलाफ की गई पूरी कार्यवाही को अवैध ठहराते हुए रद्द कर दिया गया।

पश्चिम बंगाल के प्रथम चरण और तमिलनाडु विस की सभी सीटों के लिए मतदान आज

एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई। व्यापक तैयारियों और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच देश के दो राज्यों पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान होंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में कल राज्य के 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर लगभग 3.6 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जबकि 234 सीटों वाले तमिलनाडु विधानसभा के लिए एक ही चरण में हो रहे मतदान में 5.73 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। इन चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण का मतदान गुरुवार को कराया जाएगा। इसके लिए करीब 44 हजार मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां कल सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें कई मंत्री, पूर्व विधायक, नए चेहरे और विभिन्न दलों के प्रमुख नेता शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों 23 और 29 अप्रैल को मतदान होंगे।

पहले चरण में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, वाम दलों, कांग्रेस तथा अन्य क्षेत्रीय दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। कई सीटों पर तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि कुछ क्षेत्रों में त्रिकोणीय और बहुकोणीय संघर्ष भी होने की संभावना है।

पहले चरण में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पश्चिम बर्धमान, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और पूर्व मेदिनीपुर जिलों की सीटों पर मतदान होगा। इन क्षेत्रों में उत्तर बंगाल के सीमावर्ती इलाके, आदिवासी बहुल क्षेत्र, चाय बागान क्षेत्र, ग्रामीण इलाके और कुछ शहरी क्षेत्र भी शामिल हैं, इसलिए इस चरण को राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पहले चरण का मतदान पूरे चुनाव की दिशा तय कर सकता है। उत्तर बंगाल, सीमावर्ती जिलों, चाय बागान क्षेत्रों, ग्रामीण बेल्ट और अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में मतदान प्रतिशत पर सभी दलों की नजर रहेगी। तृणमूल कांग्रेस जहां अपनी मौजूदा पकड़ बनाए रखने की कोशिश करेगी, वहीं भारतीय जनता पार्टी उत्तर बंगाल और सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर बढ़त लेने की रणनीति पर काम कर रही है।

वाम दल और कांग्रेस भी कई सीटों पर प्रभाव दिखाने की कोशिश करेंगे। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 2,407 कंपनियां तैनात की गई हैं। इन कंपनियों में 2.4 लाख से अधिक जवान शामिल बताए जा रहे हैं। मतदान केंद्रों, संवेदनशील इलाकों और सीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी।

हालात तो यही बता रहे कि पांच मई-ममता गई

अभयानंद शुक्ल

लखनऊ। मतदान की तारीख नजदीक आते-आते ममता बनर्जी की खिसियाहट और झुंझलाहट बढ़ती जा रही है। और यह इस बात का प्रतीक है कि कुछ तो है, जिसको वे बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। कोई चुनावी सभा समाप्त करने के बाद जब ममता बनर्जी ये कहती हैं कि अगर टीएमसी रही तो फिर मुलाकात होगी, तो निश्चित तौर पर ये उनके गिरते कॉन्फिडेंस का प्रतीक है। इसके अलावा सुरक्षा बलों की नाकेबंदी ने भी उनके वायलेंट सपोर्टर्स को परेशान कर रखा है, उन्हें अपनी कारस्तानी दिखाने का मौका नहीं मिल रहा है। दूसरी तरफ भाजपा लगातार दबाव बनाए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लगातार रैलियों ने ममता को हलकान कर रखा है। जमीनी आकलन यही है कि इस बार हिंदू यूनाइटेड हो रहे हैं, पर बोल नहीं रहे हैं। दूसरी तरफ मुस्लिम वोटर कई जगह डिवाइड होने का खतरा है, हालांकि उनका एक बड़ा हिस्सा टीएमसी को ही मिलेगा, यह बात भी निकल कर सामने आ रही है। गौर करने वाली बात यह भी है कि टीएमसी का वोटर मुखर होकर कह रहा है कि वह टीएमसी को वोट देगा, लेकिन भाजपा का वोटर अभी भी खुलकर सामने नहीं आ रहा है। शायद उसके मन से भय अभी गया नहीं है। ऐसे में ये चुनाव आयोग और भाजपा की भी जिम्मेदारी है कि वोटरों के हृदय से टीएमसी के गुंडों का भय निकल सके। और अगर ऐसा हो गया तो पश्चिम बंगाल के परिणाम चौकाने वाले भी हो सकते हैं। वैसे सोशल मीडिया में कुछ वीडियो देखने को मिले हैं कि जब टीएमसी के गुंडे किसी घर पर धमकाने जाते हैं तो उसके तुरंत बाद सुरक्षा बल पहुंच जा रहे हैं। और अगर ये सच है तो पश्चिम बंगाल का माहौल बदल रहा है, इसमें कोई दो राय नहीं। इधर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तुलना 2005 के बिहार चुनाव के पर्यवेक्षक केजे राव से की जा रही है, जिनकी सख्ती से बिहार में बूथ कैप्चरिंग की घटनाएं नहीं हुईं। तब बिहार की राजनीति में बदलाव आया था, जिसके चलते नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद के जंगल राज को हराकर मुख्यमंत्री पद प्राप्त किया था।

- ममता बनर्जी की बाडी लैंग्वेज डिफेंसिव मोड में है, खिसियाहट बढ़ी
- भाजपा के दावे और कंफिडेंस उसकी जीत की कर रहे चुगली

जैसे-जैसे पश्चिम बंगाल में मतदान की तारीख नजदीक आती जा रही है, ममता बनर्जी की चिंता बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि उनके चेहरे पर निराशा दिखने लगी है। पिछले दिनों ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में एक सभा करके निकलते समय लोगों से कहा कि अगर टीएमसी रही तो फिर मिलेंगे। उनका यह बयान सीधे तौर पर उनकी चिंता को दर्शाता है। इसके अलावा टीएमसी का मसल पावर भी बेचैन है। उसे अपनी वाली करने का कोई जुगाड़ नहीं मिल रहा है। एक दो जगह प्रयास हुआ भी तो सुरक्षा बलों ने तुरंत पहुंच कर उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया। इसके अलावा कथित तौर पर ममता बनर्जी की चुनावी रणनीति बनाने वाली कंपनी आईपैक ने कोलकाता में अपना दफ्तर बंद कर दिया है। ये ममता बनर्जी के लिए एक और झटका है। बीते दिनों जब कंपनी पर इडी का छापा पड़ा था तो ममता बनर्जी खुद वहां जाकर कुछ फाइलें निकाल लाई थी। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में उनकी किरकिरी भी हुई थी। चूंकि कंपनी के देश में चल रहे अन्य आफिसों पर इडी के छापे जारी हैं, इस कारण शायद दबाव में कंपनी ने कोलकाता का आफिस बंद किया है।क्षजहां तक ममता बनर्जी का सवाल है तो वे नैरेटिव बनाने में जुटी हैं कि भाजपा बंगाल की अस्मिता और बंगालियों के स्वाभिमान के खिलाफ काम कर रही है। वह आ जाएगी तो बंगाल के लोगों के खाने की पसंद पर पाबंदी लगा देगी। हालांकि भाजपा के लोग लगातार इस नैरेटिव को ध्वस्त करने में लगे हैं। ममता बनर्जी का आरोप है कि अगर भाजपा आ गई तो बंगाल तीन टुकड़ों में बांट देगी और बंगाल की पहचान समाप्त कर देगी। और यह उनकी हताशा का प्रतीक है।

इसके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की सख्ती भी ममता बनर्जी को परेशान कर रही है। उनकी तुलना 2005 के बिहार चुनाव में की गई सख्ती से की जा रही है। बिहार में तब उस समय चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक केजे राव ने भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी थी। सख्ती का असर यह हुआ कि लालू प्रसाद का बाहुबल बैठा ही रह गया और चुनाव काफी हद तक पारदर्शी हुए। परिणाम यह हुआ कि बिहार की सत्ता बदल गई और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। उस समय लालू प्रसाद ने भी वैसे ही आरोप लगाए थे जैसे कि इस समय ममता बनर्जी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगा रही हैं। हालांकि आरोप लगाने वाले यह भी कहते हैं कि क्या पश्चिम बंगाल में युद्ध की तैयारी हो रही है, कि इतनी फोर्स लगाई गई है।

दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉन्फिडेंस की बड़ी चर्चा है। उनका यह कहना कि इस बार भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बन रही है। जानकार बताते हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी ने कभी भी इस तरह की भविष्यवाणी नहीं की है। पर इस बार उनका ऐसा दावा बेवजह नहीं हो सकता। पश्चिम बंगाल में भाजपा के आने पर नानवेज खाने पर पाबंदी लगाने के आरोपों पर प्रधानमंत्री कहते हैं कि इससे हमको कोई फर्क नहीं पड़ता, खाने की सबकी अपनी स्वतंत्रता है। उन्होंने यहां तक कहा कि पश्चिम बंगाल में मछली उत्पादन के लिए कुछ भी नहीं किया गया है, पश्चिम बंगाल को बाहर के प्रदेशों से मछली मांगनी पड़ रही है। परंतु जब भाजपा सरकार आएगी तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पश्चिम बंगाल के लोगों को बाहर से मछली न मंगानी पड़े। मोदी ने यह भी कहा कि अगर भाजपा सरकार बनी तो केंद्र और राज्य की सरकारें मिलकर पश्चिम बंगाल का विकास करेंगी, जो अभी नहीं हो पा रहा है।

इसके गृहमंत्री अमित शाह ने टीएमसी के गुंडों को सुधर जाने की चेतावनी दे दी है। वे कहते हैं कि अव्यवस्था फैलाने की भूल भूलकर भी मत करना। उधर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पश्चिम बंगाल में लगातार दौरे कर रहे हैं। उनकी ज्यादातर सभाएं मुस्लिम इलाकों में हो रही हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य वहां के हिंदुओं को यूनाइटेड करना है। उनका दावा है कि पश्चिम बंगाल अब टीएमसी की अराजकता से मुक्त होकर रहेगा।

अमेरिकी राजदूत ने की पहलगाम हमले की निंदा

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले वर्ष 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए आज कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका भारत की जनता के साथ खड़ा है। राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, ''पहलगाम में हुए भयानक हमले की पहली बरसी पर, हम उन निर्दोष पीड़ितों को याद करते हैं और उनके शोकाकुल परिवारों के साथ, उनकी स्मृतियों का सम्मान करते हैं।

उप्र के 32 जिलों में भीषण गर्मी, लू की चेतावनी जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार गर्मी प्रचंड होती जा रही है। लगातार बढ़ती गर्मी के चलते मौसम विभाग ने हीट वेव (लू) का प्रदेश के 32 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, बुंदेलखंड और पूर्वांचल सहित कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटे तक भीषण गर्मी की चेतावनी दी है। प्रदेश में सूरज की तपिश तीव्र होती जा रही है और गर्म हवाएं मौसम को और भी झुलसाने वाली बना रही हैं। लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय करने की सलाह दी गई है। लखनऊ मौसम विभाग के मौसम वैज्ञानिक डॉ अतुल कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि यह गर्मी दो बड़े भौगोलिक कारणों से बढ़ी है, जिनमें सूखी पछुआ हवाएं और महाराष्ट्र के ऊपर चक्रवात शामिल हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पौधारोपण व राहत अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वच्छ पर्यावरण व सतत विकास के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और समाज में इसके प्रति संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में एक राहत अभियान भी चलाया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने कपड़े, खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का संग्रह किया। यह सामग्री विकास नगर के अग्निकांड पीड़ितों को सहायता पहुंचाने के लिए एकत्रित की गई है। कार्यक्रम में डीन डॉ. मसूद आलम और विभागाध्यक्ष डॉ. पियूष त्रिवेदी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों को प्रेरित करते हैं और उन्हें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं। पूरा कार्यक्रम लीगल एड सेंटर की समन्वयक डॉ. श्वेता त्रिवेदी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने किया विधानसभा के सामने प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में एक बार फिर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने लखनऊ में अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के सामने बुधवार को प्रदर्शन किया। विधानसभा के सामने तैनात पुलिस बल ने अभ्यर्थियों को जबरन बस में बैठा कर धरना स्थल इको गार्डन छोड़ दिया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि इस प्रकरण पर सरकार कोई पहल नहीं कर रही। इस कारण से मामला लटकता चला जा रहा। इस प्रकरण की पहली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सितंबर माह 2024 में हुई थी। उसके बाद से लगातार तारीख पर तारीख मिल रही है।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे धनंजय गुप्ता ने बताया की इस प्रकरण के निस्तारण के लिए सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही है। इसके चलते सुप्रीम कोर्ट में डेट नहीं लग रही। इस प्रकरण पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, मुख्यमंत्री द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट और लखनऊ हाई कोर्ट की डबल बेंच का फैसला, सब हमारे पक्ष में है लेकिन फिर भी हमारे साथ न्याय नहीं किया जा रहा है। कारण, हम पिछड़े और दलित समाज से आते हैं। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 19 हजार पदों का नुकसान हुआ है। वहीं सरकार ने हम अभ्यर्थियों की 6800 की सूची भी जारी की लेकिन नियुक्ति नहीं दी। उन्होंने कहा कि हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी पिछले लगभग छह वर्ष से लगातार संघर्ष करते आ रहे हैं। सरकार से मांग करते हैं लेकिन हमारी बात नहीं सुनी जा रही। सुनवाई न होने से सभी अभ्यर्थी आहत हैं। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तीन सप्ताह का समय मांगा था जो पूर्ण हो चुका है। अपना पक्ष सरकार रख नहीं रही है। हम सब की मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखे और मामले का जल्द निस्तारण कराये।

अधेड़ ने लाइसेंसी बन्दूक से गोली मारकर की आत्महत्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पारा थानाक्षेत्र में बुधवार को एक व्यक्ति ने अपनी लाइसेंसी बन्दूक से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि मूलरूप से कासगंज जिले के रहने वाले कप्तान सिंह सरदार (55) जो वर्तमान में लखनऊ स्थित पारा के भपटामऊ क्षेत्र में निवास करते हुए सोने की कील का व्यापार करते थे। उनके साथ उनके दो पुत्र और बहुएं रहती है, जबकि उनके परिवार के कुछ सदस्य कासगंज में निवास करते हैं। परिजनों के मुताबिक, बुधवार दोपहर 11:30 बजे कप्तान सिंह ने लाइसेंसी बन्दूक से स्वयं को गोली मार ली, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया घटना का कारण पारिवारिक विवाद प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अन्य सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

सपा के राज में गाँव में मिलती थी सिर्फ पांच घंटे बिजली : ओमप्रकाश राजभर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा अध्यक्ष अध्यक्ष अखिलेश यादव वोट के लिए प्रदेश की जनता को गुमराह कर धोखा देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश राज में गांवों में सिर्फ पांच घंटे बिजली मिलती थी। शहर में 10 घंटे बिजली आती थी''। 24 घंटे बिजली सिर्फ 'रामपुर, इटावा और मैनपुरी को मिलती थी।

सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली फ्री देने की अखिलेश यादव की घोषणा पर ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को लखनऊ में मीडिया से बात करते हुए कहा कि किस मुंह से वह 300 यूनिट बिजली देने की बात कह रहे हैं। पहले वह अपने कार्यकाल को याद कर लें, जब उनकी सरकार थी तो ट्रांसफर जल जाते थे। गांव के लोग चंदा लगाकर पैसे देते थे तो ट्रांसफार्मर बनता था। आज वह स्थिति नहीं है। योगी सरकार में 24 घंटे के अंदर ट्रांसफर बदले जा रहे हैं। जनता का एक रूपये नहीं लग रहा है। आज गांव में बिजली 18 घंटे बिजली मिल रही है। 20 घंटे तहसील में व 24 घंटे जिला मुख्यालयों में बिजली मिल रही है। राजभर ने कहा कि जो बोल रहे हैं, वह छलावा है, धोखा है, समाज को गुमराह कर वोट लेने की साजिश है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कहा कि प्रधानमी की सोच थी कि 2029 में हम महिलाओं को आरक्षण देकर देश की मुख्य धारा में लाएंगे। विपक्ष ने बिल के विरोध में वोट किया और पास नहीं हो सका। जब देश में लोकसभा की 543 सीटें बनीं तो उस समय 68 करोड़ आबादी थी। आज देश की आबादी 140 करोड़ है। 2011 की जनगणना के हिसाब से सीटें बढ़ाई जा रही थी। यह बात विपक्ष को जमी नहीं।

भाजपा संगठित गिरोह है, नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना ही उसका प्रिय एजेंडा है: अखिलेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा संगठित गिरोह है। नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना ही भाजपा का प्रिय एजेंडा है। भाजपा का आचरण निम्न स्तरीय है। वह समाजवादी पार्टी कार्यकताओं के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार करती हैं।

बुधवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए सुरक्षित सीटों के पूर्व प्रत्याशियों और नेताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र के साथ छल कर रही है। वह महिला आरक्षण को लेकर भ्रम फैला रही है। देश में महिला आरक्षण कानून लागू हो गया है। महिला आरक्षण बिल को 2023 में संसद से सर्व सहमति से पास कर दिया है। लेकिन भाजपा के नेता झूठ बोलने से नहीं बाज आ रहे है। देश की जनता भाजपा के झूठ और भ्रामक प्रचार को समझ रही है। पीडीए की एकता से घबराई भाजपा जनता के बीच इसी तरह का प्रोपेगण्डा चलाती है। भाजपा भ्रष्टाचार, लूट, महंगाई, बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए झूठ का सहारा लेती है।अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं को भाजपा से सावधान करते हुए कहा कि 2027 के चुनाव में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। भाजपा से जनता का भरोसा खत्म हो चुका है। विधानसभा चुनाव भाजपा का हारना तय है। भाजपा अभी से विपक्ष की भूमिका में है। भाजपा की यह स्थिति स्थायी और स्थिर है। उन्होंने कहा कि भाजपा का हथियार चालाकी भरा है। जनता उसकी चालाकी को समझती है। इस बार भाजपा को सत्ता से बाहर जाना ही है। यादव ने कहा कि 2027 के लिए आज से ही काम शुरू करना है। बूथ स्तर पर विशेष ध्यान देना हैं, चुनाव जमीन पर ही होगा। दूसरों पर भरोसा नहीं करना है। अपनी ताकत पर निर्भर रहना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया था। लोकतंत्र को बचाना है। जनता के सम्मान को लौटाना हैं, समाजवादी पार्टी में सबका सम्मान होता है। पीडीए का जनाधार बड़ा है।

यूपी बीज निगम कार्मिकों को भी मिलेगा सातवां वेतनमान

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम के कार्मिकों को सातवां वेतनमान दिए जाने का निर्णय किया है। एक निगम होने के कारण अभी तक इन कर्मियों को सरकारी विभागों की तरह वेतन का यह लाभ प्राप्त नहीं हो सका था। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से निगम के कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है। लंबे समय बाद उन्हें अन्य सरकारी कर्मचारियों की भांति सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ मिलेगा। जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम की वित्तीय स्थिति में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निगम वित्तीय वर्ष 2017-18 के बाद से, विशेषकर वित्तीय वर्ष 2019-20 से निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम 40.00 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित किया जाना संभावित है। निगम की इस सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और कर्मियों के समर्पण को देखते हुए ही सातवें वेतनमान की फाइल को स्वीकृति प्रदान की गई है।

समाजवादी पार्टी ने लखनऊ की महापौर के बयान की निंदा, किया विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की माँ पर लखनऊ की महापौर एवं भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) नेत्री सुषमा खर्कवाल की टिप्पणी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सपा नेताओं और कार्यकर्ता इस टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को एक सपा नेता और कार्यकर्ता भाजपा की महापौर के आवास पहुंचे और नारेबाजी की।

लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल ने एक दिन पूर्व सोमवार को अखिलेश यादव की मां पर बयान दिया था। इसके विरोध में आज मेरठ निवासी पार्टी नेता गौरव चौधरी ने मेयर के कैसरबाग क्षेत्र स्थित सरकारी आवास पर जाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा नेता ने नारेबाजी करते हुए भाजपा महापौर के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा महापौर को अपने बयान पर माफी मांगने की बात कही।

भाजपा महापौर का बयान निंदनीय

समाजवादी पार्टी (सपा)के प्रदेश सचिव विजय सिंह यादव ने लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल के बयान की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मां अत्यंत सभ्रांत महिला थीं और समाज सेवा में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। ऐसे में महापौर द्वारा अमर्यादित भाषा का प्रयोग करना बेहद दुखद है।

विजय सिंह यादव ने सवाल उठाया कि लखनऊ की महापौर होने के नाते क्या उन्हें इस तरह की भाषा शोभा देती है। समाजवादी पार्टी इस बयान की घोर निंदा करती है और इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ बताया।

उल्लेखनीय की लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान महिला आरक्षण बिल के सदन में पास न होने पर बोल रहीं थी। उन्होंने इस दौरान सपा और कंग्रेस पार्टी पर महिला विरोधी बताते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मां को लेकर टिप्पणी की थी। इस ममले में अखिलेश यादव ने ट्वीट कर बीजेपी महापौर को राजनीति के लिए किसी की मां पर टिप्पणी न किए जाने की नसीहत दी थी।

कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए लखनऊ में 24 को आयोजित होगी जोनल कान्फ्रेन्स-2026

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एक होटल में 24 अप्रैल को 'जोनल कान्फ्रेन्स-2026' का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन की अध्यक्षता भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करना और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस जोनल कान्फ्रेन्स में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ उत्तराखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के कृषि मंत्रीगण प्रतिभाग करेंगे। इसके अतिरिक्त केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ एवं लद्दाख के प्रशासक तथा भारत सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी इस सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे।

यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे से प्रारम्भ होकर सायं 7:30 बजे तक प्रस्तावित है। पूरे दिन चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न सत्रों के माध्यम से कृषि विकास और किसानों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से संवाद किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रेस कान्फ्रेन्स और मीडिया ब्रीफिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी भी साझा की जाएगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर में ब्लड बैंक और खून चढ़ाने की सेवाओं की समीक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- हर जिले में सुरक्षित खून उपलब्ध कराने का लक्ष्य, यूपी की प्रगति सराही गई

लखनऊ। देश में ब्लड बैंक और खून चढ़ाने की सेवाओं को मजबूत करने तथा हर जरूरतमंद तक सुरक्षित खून की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आज सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक उच्चस्तरीय राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त सचिव (जन स्वास्थ्य) एवं नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (नाको) के महानिदेशक डॉ. राकेश गुप्ता ने की। इस राष्ट्रीय समीक्षा में देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने मुख्यालयों से वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। बैठक में ब्लड बैंक और खून चढ़ाने की सेवाओं के पांच प्रमुख चरणों–लाइसेंसिंग एवं नवीनीकरण, रक्तदाता स्क्रीनिंग व रक्त संग्रह, खून से होने वाले संक्रमण (टीटीआई) की जांच और संक्रमित दाताओं का रेफरल, खून का प्रोसेसिंग, भंडारण व वितरण तथा रिपोर्टिंग एवं रिकॉर्ड-कीपिंग–की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रदर्शन का आकलन 10 प्रमुख मानकों (केपीआई) के आधार पर किया गया, जिसके लिए eRaktKosh, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (CDSCO), ब्लड बैंक मैनेजमेंट सिस्टम (BBMS) और खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निरीक्षण रिकॉर्ड से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग किया गया।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. राकेश गुप्ता ने दोहराया कि सरकार का लक्ष्य देश के हर जिले में सुरक्षित खून की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि खून चढ़ाने से होने वाले किसी भी संक्रमण (टीटीआई) को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। इसके तहत दिसंबर 2026 तक हर जिले में कम से कम एक ब्लड बैंक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से जिला स्तर पर ब्लड सेंटर की पहुंच लगातार बढ़ाई जा रही है और सभी लाइसेंस प्राप्त ब्लड सेंटर को चरणबद्ध तरीके से eRaktKosh से जोड़ा जा रहा है।

समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों को विशेष रूप से सराहा गया। राज्य में हर जिले में कम से कम एक लाइसेंस प्राप्त ब्लड सेंटर उपलब्ध है, जिससे सभी जिलों में खून की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। इसके साथ ही राज्य के सभी संचालित ब्लड सेंटरों में 100 प्रतिशत कंपोनेंट सेपरेशन की सुविधा उपलब्ध है, जिससे एक यूनिट खून से कई मरीजों का इलाज संभव हो पाता है। अधिकारियों ने बताया कि लाइसेंस अनुपालन के मामले में भी राज्य का प्रदर्शन देश के बेहतर राज्यों में शामिल है, जो मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था को दर्शाता है। ये उपलब्धियां राष्ट्रीय रक्त नीति और 2026 के राष्ट्रीय ढांचे के अनुरूप राज्य की रक्त सुरक्षा प्रणाली को मजबूत आधार प्रदान करती हैं। आगे की कार्ययोजना के तहत बैठक में कई प्राथमिकताओं पर जोर दिया गया। इनमें ब्लड बैंक और खून चढ़ाने की सेवाओं में मानक संचालन प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन, टीटीआई की जांच के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे 4th जेनरेशन रैपिड टेस्ट, एलिसा और सीएलआईए आधारित परीक्षणों को चरणबद्ध तरीके से अपनाना, सभी ब्लड सेंटरों में कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा eRaktKosh और BBMS के माध्यम से रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग को मजबूत करना शामिल है।

बैठक में यह भी बताया गया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (इउक्क्व्र) से जुड़े बायोमेट्रिक डोनर पहचान प्रणाली को लागू किया जाएगा और प्रत्येक ब्लड सेंटर के लिए हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन (HFR) आईडी बनाई जाएगी। इससे रक्तदान और वितरण की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनेगी। स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (SBTC), इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (IRCS), खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) और CDSCO मिलकर इन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर समयबद्ध कार्ययोजना के तहत काम करेंगे, जिसकी समीक्षा अगली तिमाही बैठक में की जाएगी।

'महिलाएं संभालेंगी जिम्मेदारी, तो खत्म होगी पारिवारिक यारी': पंकज चौधरी

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- समाजवादी पार्टी के पास न तो नीयत है ना नीति है बस केवल राजनीति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बुधवार को नोएडा में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सपा व कांग्रेस द्वारा किए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध तथा परिवारवाद के संरक्षण पर हमला करते हुए कहा कि 'महिलाएं संभालेंगी जिम्मेदारी, तो खत्म होगी पारिवारिक यारी'। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि नोएडा सिर्फ़ उत्तर प्रदेश का नहीं बल्कि देश का सबसे तेज प्रगति करने वाला शहर है. इस औद्योगिक नगरी में हजारों कंपनियां, उद्योग- धंधे मौजूद हैं. राज्य की तरक्की का रास्ता इस शहर से होकर गुजरता है. ये तरक्की सिर्फ़ पुरुषों की बदौलत नहीं है. इस तरक्की में आधी भागीदारी महिलाओं की भी है। चौधरी ने जोर देते हुए कहा, 2017 से पहले के हाल से हम सब वाकिफ हैं, शहरों में खुलेआम छेड़खानी आम बात थी। बहन- बेटियां बाहर निकलती थीं, तो परिवार वाले तब तक चिंतित रहते थे, जबतक वह सकुशल वापस न आ जाएं। गुंडे, माफिया, अपराधियों को लाल टोपी वालों का नैतिक समर्थन हासिल था. गुंडों के सामने प्रशासन नतमस्तक रहता था। उन्होंने उत्तर प्रदेश में आए बदलाव पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश में 2017 में हमारी सरकार बनी, तब बदलाव दिखना शुरू हुआ. शहरों में बहन- बेटियों और कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए गए, प्रशासनिक जवाबदेही और सतत निगरानी बढ़ी तो शहरों का रंगरूप बदल गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, अब नोएडा को देखिए,यहाँ की आईटी कंपनियों, स्टार्टअप, उद्योगों में बड़ी संख्या में बहन- बेटियाँ और महिलाएं काम करती हैं. डबल इंजन सरकार के प्रयासों से बीते नौ साल में राज्य में कामकाजी महिलाओं की संख्या 36-37 प्रतिशत हो गई है।

2017 से शुरू 'जनता दर्शन' बना योगी सरकार के सुशासन का मजबूत स्तंभ

- योगी हैं तो यकीन है 'जनता दर्शन' से देशभर में योगी मॉडल की पैठ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कभी इतिहास में राजा दरबार लगाकर प्रजा की फरियाद सुनते थे, वही परंपरा आज लोकतांत्रिक रूप में उत्तर प्रदेश में जीवंत होती दिख रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक अभिभावक के रूप में जनता दर्शन में लोगों तक पहुंच कर उनकी बातें सुनतें और समाधान करते हैं। लोकप्रियता का आलम यह कि लोग अपने परिवार के बच्चों की पढ़ाई से लेकर दवाई तक का दर्द साझा करते हें और उन्हें निराश नहीं होना पड़ता है।

राजनीतिक विश्लेषक सियाराम पांडेय का मानना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'जनता दर्शन' राजधर्म, लोकसंस्कृति और मानवीय संवेदना के संगम का आधुनिक स्वरूप बनकर उभरा है। यहां सत्ता का स्वर आदेशात्मक नहीं, संवादात्मक है। हर फरियादी सिर्फ एक आवेदनकर्ता नहीं, बल्कि एक परिवार के सदस्य की तरह मुख्यमंत्री के सामने खड़ा होता है और यही भाव इस पहल को खास बनाता है।

उत्तर प्रदेश की सत्ता में एक संत की उपस्थिति ने शासन की परिभाषा को नया आयाम दिया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'नया उत्तर प्रदेश' सुशासन के एक सशक्त और संवेदनशील मॉडल के रूप में उभर रहा है, जिसका आधार पवित्रता, पारदर्शिता, योग्यता और जनकल्याण है। वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री पद संभालने के साथ ही 'जनता दर्शन' की शुरुआत की गई थी, जिसका स्पष्ट उद्देश्य था- जन समस्याओं को सीधे सुनना और त्वरित समाधान सुनिश्चित करना। लखनऊ स्थित 5 कालिदास मार्ग और गोरखपुर में आयोजित यह कार्यक्रम आज सरकार और जनता के बीच एक मजबूत संवाद सेतु बन चुका है।

गौरतलब है कि बीते सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' में बरेली से आईं दीप्ति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अपना दर्द बयां किया तो उन्होंने बिना देर किए तुरंत बरेली के जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि वे महिला की समस्या सुनकर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ दिलाएं। योगी की संवेदनशीलता देख दीप्ति की आंखें भर आईं। चेहरे पर खुशी का भाव लिए हुए उन्होंने जाते-जाते मुख्यमंत्री योगी को ढेर सारी दुआएं दीं।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि 'जनता दर्शन' की सबसे बड़ी ताकत मुख्यमंत्री का मानवीय दृष्टिकोण है। कई बार फरियादी भावुक हो जाते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री का धैर्य और गंभीरता उन्हें भरोसा दिलाता है कि उनकी बात सुनी जा रही है और उस पर कार्रवाई होगी।

जनसेवा ही सरकार का धर्म

'जनता दर्शन' इस विचार को व्यवहार में उतारता है कि जनसेवा ही सरकार का सर्वोच्च धर्म है। मुख्यमंत्री स्वयं फरियादियों से मिलते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश देते हैं।

सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस पहल की मूल भावना है- जनता को सीधे सरकार से जोड़ना। यहां छोटी से छोटी समस्या भी उतनी ही गंभीरता से सुनी जाती है, जितनी बड़ी शिकायत। आवास, इलाज, शिक्षा, पुलिस, जमीन विवाद से लेकर पारिवारिक मसलों तक हर विषय प्राथमिकता में शामिल रहता है। योगी मॉडल का मूल मंत्र है- योजना का लाभ उसी व्यक्ति तक पहुंचे, जिसके लिए वह बनाई गई है।

'25 करोड़ जनता ही मेरा परिवार'

राजनीतिक विश्लेषक सियाराम पांडेय का मानना है कि मुख्यमंत्री का यह कथन कि 25 करोड़ प्रदेशवासी ही मेरा परिवार हैं, जनता दर्शन में व्यवहारिक रूप में दिखता है। पारिवारिक विवाद लेकर आने वालों को वे पहले संवाद और समझदारी से समाधान की सलाह देते हैं, जिससे सामाजिक संतुलन भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में 'राजा' को 'पालक' और 'संरक्षक' माना गया है। 'जनता दर्शन' उसी विचार को आधुनिक लोकतंत्र में स्थापित करता है।

अन्य राज्यों से भी पहुंच रहे लोग

'जनता दर्शन' की विश्वसनीयता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, असम, तेलंगाना, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के लोग भी अपनी समस्याएं लेकर यहां पहुंच रहे हैं।

विपक्ष महिला आरक्षण विरोधी है: असीम अरुण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह 'बब्बन' की उपस्थिति में भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में महिला सशक्तिकरण और नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन बिल के सवालों पर कहा कि भाजपा सरकार ने 2014 से ही महिला सशक्तिकरण को सेवा और संकल्प का माध्यम बनाया है। जहाँ पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में रखा, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने इसे अमली जामा पहनाया। संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधनों पर विपक्ष (कांग्रेस और इंडी गठबंधन) ने विरोध में मतदान कर एक बार फिर महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया। आवश्यक दो-तिहाई बहुमत के अभाव में संशोधन विधेयक का गिरना इस बात का प्रमाण है कि विपक्षी दलों के लिए 'दल-हित' हमेशा 'देश-हित' और 'नारी-शक्ति' से ऊपर रहा है। कहा कि कांग्रेस की 'कथनी और करनी' में हमेशा अंतर रहा है, जबकि मोदी सरकार ने हर चुनौती को पार कर नारी शक्ति के आत्मसम्मान की रक्षा की है।

उन्होने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन बिल' महिला सशक्तिकरण की मुहिम को धरातल पर उतारने की एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'सशक्त महिला' ही 'विकसित भारत' की असली पहचान है और मोदी सरकार इस संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है! महिला आरक्षण बिल को कांग्रेस ने दशकों तक लटकाए रखा और जब भी निर्णायक मोड़ आया, अपने सहयोगियों के दबाव या वोट बैंक के भय से कदम पीछे खींच लिए। मुद्रा योजना के तहत लगभग 69 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। साथ ही, 10 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर लखपति दीदी बन रही है! पीएम आवास योजना के तहत आवंटित 73 प्रतिशत घरों का स्वामित्व महिलाओं के पास है। 'ट्रिपल तलाक' की समाप्ति और 'मिशन शक्ति' के तहत 819 वन स्टॉप सेंटर का संचालन मातृशक्ति की सुरक्षा और सम्मान का प्रमाण है।

प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अलका गुप्ता, प्रीतेश दीक्षित, संदीप सिंह, ओम वर्मा, सत्यम शुक्ला, सीमा बिस्वास, अतुल सिंह, परेश लोहिया, आयुष सिंह, ऋतुराज त्रिपाठी व अभय दीक्षित उपस्थित रहे!

प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब देते प्रभारी मंत्री असीम अरुण

पूर्व पिपरिया और परियाल में उच्च शिक्षा मंत्री ने तटबंध निर्माण का पूजन कर शुभारंभ किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी द्वारा विधानसभा शाहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत गर्रा नदी के किनारे स्थित बाढ़ से प्रभावित संवेदनशील ग्राम पुरवा पिपरिया व ग्राम परियल में कटाव को रोकने के लिए बुधवार को तट बन्ध निर्माण कार्य का विधि विधान से पूजन अर्चन कर शुभारम्भ किया। इस परियोजना को कार्यदायी संस्था सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा लागत 289.38 लाख रुपये में संपन्न कराया जाएगा। कार्यक्रम मे सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ ब्लाक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, जि.पं. सदस्य लालाराम राजपूत, अनिल पान्डेय, सुभाष सिंह सहित पार्टी पदाधिकारी व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

पूजन करती उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

पृथ्वी दिवस: श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में हुआ पौधारोपण और चित्रकला प्रतियोगिता

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में पृथ्वी दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता और निबंध लेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों ने पृथ्वी के संरक्षण के महत्व को समझा और अपने विचारों को रंगों और शब्दों में व्यक्त किया। उन्होंने सीखा कि कैसे छोटे.छोटे कदम उठाकर हम पृथ्वी को बचाने में मदद कर सकते हैं, जैसे कि पौधे लगाना, पानी बचाना, और कूड़ा-कचरा सही जगह पर डालना।

पृथ्वी दिवस पर विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने बताया कि पृथ्वी हमारा घर है और हमें इसका संरक्षण करना चाहिए। हमें पृथ्वी के संसाधनों का सही उपयोग करना चाहिए और इसे प्रदूषण से बचाना चाहिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या भूमिका सिंह ने बताया कि पृथ्वी दिवस हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। शिक्षकों ने बताया कि पृथ्वी दिवस हमें प्रकृति के महत्व को समझने और इसके संरक्षण के लिए काम करने का अवसर देता है। पृथ्वी दिवस के अवसर पर बच्चों ने कहा, हम पृथ्वी को बचाने के लिए पौधे लगाएंगे, पानी बचाएंगे, और कूड़ा-कचरा सही जगह पर डालेंगे। हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने का प्रयास करेंगे और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देंगे।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या लक्ष्मी देवी शिक्षिकाएं-कविता गुप्ता, कोमल यादव, विनीता त्रिवेदी, मीनाक्षी सिंह, सोनम शुक्ला, ऐश्वर्या सिंह, अपर्णा श्रीवास्तव, मंशा वाजपेइ, प्रज्ञा, सोनी शुक्ला, पूजा चौहान, नीलम, दीपमाला, क्षमा सिंह, रिचा, शिवानी शिक्षक राम प्रकाश पांडे, अशोक कुमार गुप्ता, अभिनव सिंह, संजय कुमार, आयुष यादव आदि मौजूद रहे।

विधानसभा प्रशिक्षण वर्ग का किया गया आयोजन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के अन्तर्गत शाहाबाद हरदोई मे विधानसभा प्रशिक्षण वर्ग का

आयोजन किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ मुख्य वक्ता सदस्य राष्ट्रीय परिषद व् क्षेत्रीय महामंत्री अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा एवं उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों द्वारा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय व् श्यामा प्रसाद मुख़र्जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि समर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सत्र के विषय भारतीय जनता पार्टी के इतिहास विकास पर विस्तृत चर्चा करते हुएए मुख्य वक्ता पीके वर्मा ने विधानसभा शाहाबाद के समस्त पांच मंडलों के शेष कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण वर्ग मे प्रमुख रुप से सत्र अध्यक्ष चेयरमैन केन ग्रोवर सोसाइटी हरदोई रंजीत सिंह, अभियान संयोजक/जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत, नगर अध्यक्ष अनिल पांडेय पिंटू सहित मण्डल तथा शक्ति केंद्र पदाधिकारी व् सक्रिय भाजपा सदस्य उपस्थित रहे।

हाईवे पर लाइटिंग सिस्टम फेल: रात में अंधेरा दिन में बर्बादी, जिम्मेदार बेखबर

रात में हाईवे की बंद पड़ी लाइटें फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। 'राष्ट्र हित में बिजली बचाएं' शायद यह नियम हाईवे पर लागू नहीं होता है! मामला राष्ट्रीय राजमार्ग-731 से जुड़ा है जो पीएनसी कंपनी द्वारा फोरलेन बनाकर पिछले वर्ष से चालू किया गया है! जहां हाईवे की स्ट्रीट लाइटिंग व्यवस्था पूरी तरह चरमराई नजर आ रही है! रात के समय जब रोशनी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तब अधिकतर स्ट्रीट लाइटिंग बंद रहती है! नतीजतन वाहन चालकों को घनघोर अंधेरे से गुजरना पड़ता है जिसमें विशेष कर पैदल यात्री व साइकिल सवारो को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जिससे हादसों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है! तेज रफ्तार वाहनों के बीच यह अंधेरा किसी बड़े हादसे को दावत देता नजर आता है!

हैरानी की बात यह है कि वहीं दिन में ज़ब लाइटों की कोई जरूरत नहीं होती है तब ये पूरी तरह जलती नजर आती है! जिससे बिजली की बर्बादी हो रही है और सरकारी संस्थाधनों का खुला दुरुपयोग हो रहा है! एक तरफसरकार बिजली बचाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है वहीं दूसरी ओर इस तरह की लापरवाही सरकार के सारे प्रयासों पर पानी फेरती नजर आ रही है! इस मामले पर स्थानीय लोगों व नियमित रूप से हाईवे से गुजरने वाले यात्रियों का कहना है कि कई स्थानों पर महीनों से ऐसी स्थिति बनी हुई है! रात में लाइटें बंद रहने से न सिर्फ दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा है बल्कि असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है! खासकर पैदल, साइकिल और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक साबित हो रही है! लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग को कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई! जिम्मेदार अधिकारी या तो इस समस्या से अनजान है या फिर जानबूझकर नजर अंदाज कर रहे हैं!

दिन में बिजली बर्बाद करती हाईवे की लाइटें फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

अब सवाल उठता है कि इस लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा? कब तक आम जनता अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर रहेगी? कब इस अव्यवस्था पर लगाम लगेगी या फिर किसी बड़ी दुर्घटना के बाद प्रशासन की नींद खुलेगी?

हरियावां में क्रिकेट का महाकुम्भ: बाहरी टीमों का दमदार प्रदर्शन, दर्शकों का उमड़ा सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। कस्बे में इन दिनों क्रिकेट का जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़े महाराजा श्री सिद्धनाथ बाबा मंदिर परिसर स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित विशाल क्रिकेट टूर्नामेंट ने पूरे क्षेत्र का माहौल खेलमय बना दिया है। दूर.दराज से आई टीमों के शानदार प्रदर्शन ने इस प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना दिया है। टूर्नामेंट में स्थानीय टीमों के साथ.साथ बाहर से आई टीमों ने भी अपना दमखम दिखाते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया है। हर मैच में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही हैए जिससे प्रतियोगिता का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। बल्लेबाजों के जोरदार शॉट्स और गेंदबाजों की सटीक गेंदबाजी ने मैदान पर रोमांच को चरम पर पहुंचा दिया है।

खास बात यह है कि इस टूर्नामेंट को देखने के लिए आसपास ही नहीं बल्कि दूर.दराज के क्षेत्रों से भी भारी संख्या में दर्शक पहुंच रहे हैं। क्रिकेट ग्राउंड पर हर दिन दर्शकों का बड़ा हुजूम देखने को मिल रहा हैए जिससे यह आयोजन किसी बड़े मेले से कम नहीं लग रहा। लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ मैच का आनंद लेने आ रहे हैं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। इसी क्रम में 'हरियावां प्रीमियर लीग-2026' का यह आयोजन अब चर्चा का केंद्र बन चुका है। टूर्नामेंट में विजेता टीम के लिए रूपये 21,000 की नगद पुरस्कार राशि और शानदार शील्ड रखी गई है, वहीं रनर-अप टीम को रूपये 7,100 के साथ शील्ड प्रदान की जाएगी। इसके अलावा खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए हर छक्के पर रूपये 50 का इनाम भी घोषित किया गया है। खास आकर्षण के रूप में छक्कों की हैट्रिक (लगातार 3 छक्के) लगाने वाले खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार दिए जा रहे हैं, जिसमें रूपये 500 और रूपये 100 जैसी प्रोत्साहन राशि शामिल है। यह इनाम हर मैच में लागू रहेगा, जिससे खिलाड़ियों में जोश और प्रतिस्पर्धा की भावना और बढ़ गई है। टूर्नामेंट की महत्वपूर्ण तिथियों की बात करें तो रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 18 अप्रैल निर्धारित की गई थी, जबकि प्रतियोगिता का शुभारंभ 20 अप्रैल से किया गया। मात्र रूपये 2,500 की एंट्री फीस में टीमों को भाग लेने का अवसर दिया गया, जिससे बड़ी संख्या में टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। इस पूरे आयोजन के संरक्षक डॉक्टर देवेंद्र शुक्ला हैं, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से यह भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। उनके संरक्षण में न केवल आयोजन की व्यवस्थाएं बेहतर बनी हुई हैं, बल्कि खिलाड़ियों और युवाओं को भी खेल के प्रति प्रोत्साहन मिल रहा है। क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में उनका योगदान सराहनीय माना जा रहा है। खेल के नियमों को भी स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है, जिसमें प्रति टीम 13 खिलाड़ियों की अनुमति, निष्पक्ष अंपायरिंग और अनुशासन पर विशेष जोर दिया गया है। आयोजकों द्वारा सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। हरियावां क्रिकेट कमेटी द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट अब क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित खेल आयोजन बनता जा रहा है। यह न सिर्फ खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दे रहा है, बल्कि ग्रामीण अंचल में खेल संस्कृति को भी नई पहचान दे रहा है।आने वाले दिनों में इस टूर्नामेंट के और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगेए जिनका इंतजार दर्शकों को बेसब्री से है। हरियावां का यह क्रिकेट महाकुंभ अब खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण बन चुका है।

बैंक मित्र ने दी लूट की सूचना, पुलिस जाँच मे निकली फर्जी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना के मानपुर पैट्रोल पम्प के निकट से एक बैंक मित्र ने बाइक की टक्कर से एक लड़के के घायल होने पर

अपने साथ तीन लाख की लूट हो जाने की सूचना दी जो पुलिस जाँच मे झुठी पाई गई। प्राप्त विवरण मे हरपालपुर सीओ सतेन्द्र सिंह ने बताया 21अप्रैल की रात 8 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई की थाना बेहटा गोकुल क्षेत्रान्तर्गत मानपुर से दललेनगर के बीच पानी की टंकी के पास से बाइक पर सवार पीडित चन्द्रभूषण त्रिवेदी (30) पुत्र महेशचन्द्र त्रिवेदी, निवासीग्राम शिरोमणि नगर थाना बेहटा गोकुल जा रहे थे, तभी पैदल जा रहे 03 अज्ञात लडकों द्वारा पीडित से 03 लाख रूपये लूट लिये गये है। प्राप्त सूचना पर उच्चाधिकारीगण व थाना प्रभारी बेहटा गोकुल मय पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तो ज्ञात हुआ कि चन्द्रभूषण उपरोक्त बैंक मित्र है जोकि मानपुर पेट्रोल पम्प से तेल भरवाकर अपने घर जा रहे थे, जहां रास्तें में पैदल जा रहे 03 लडकों से चन्द्रभूषण उपरोक्त की टक्कर हो गयी जिसमें एक लडका घायल हो गया, जिससे दोनों पक्षों के मध्य मारपीट हो गयी। चन्द्रभूषण उपरोक्त की मोटरसाइकिल से एक लडका घायल हो जाने के कारण चन्द्रभूषण उपरोक्त द्वारा डॉयल 112 पर झूठी सूचना दी गयी।

खेत मे पानी लगा रहे दो भाइयों को अज्ञात लोगों ने मारपीट कर किया घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली के ग्राम जमलापुर मे 21 अप्रैल की रात खेत मे पानी लगा रहें दो भाइयों को अज्ञात तीन लोगों ने आकर मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जाँच शुरू की है। प्राप्त विवरण मे 21 अप्रैल की रात्रि 11:30 बजे रामकृपाल पुत्र लज्जाराम निवासी ग्राम जमलापुर व उसके भाई रामकरन अपने गन्ने के खेत में पानी लगा रहे थे, वही खेत में दोनों भाई सो रहे थे तभी 03 अज्ञात व्यक्ति आये ए दोनों भाई के साथ अंधरे में मारपीट कर भाग गये। स्थानीय पुलिस द्वारा दोनों भाईयो का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस जाँच मे मौके पर दोनों भाईयो के पास मोबाइल व 6000 रु0 थे, जो सुरक्षित है। स्थानीय पुलिस द्वारा प्रकरण के सम्बन्ध में विभिन्न बिंदुओं पर गहनता से जाँच की जा रही है। शीघ्र ही घटना में संलिप्त अभियुक्तगणों को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षक संकुल बैठक उपरांत सेवानिवृत शिक्षक का हुआ सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मासिक संकुल मीटिंग में सुरसा ब्लॉक की न्याय पंचायत मरसा के प्राथमिक विद्यालय हथियाई में संकुल मीटिंग का आयोजन हुआ। सेवानिवृत शिक्षक तारकचंद का सम्मान बड़े ही हर्ष के साथ किया गया।

सर्वप्रथम जनपद से पधारे एस०आर०जी० शशांक मिश्रा ने मीटिंग के एजेंडे को प्रमुखता से रखा और कई जानकारियां बताई कि जिससे बच्चों में विद्यालय में ठहराव और नामांकन लक्ष्य कैसे पूरा किया जा सके और प्रदेश स्तर पर जनपद की स्थिति संतोष जनक प्राप्त की जा सके। इसी कड़ी में हमारे ब्लॉक के ए०आर०पी० अवधेश मिश्रा ने विस्तार पूर्वक स्कूल चलो अभियान, विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन पर जोर देते हुए अपनी बात को रखा और अधिक से अधिक बच्चों के नामांकन करने पर जोर दिया गया।

बैठक समापन के उपरांत एसआरजी के द्वारा तारक चंद्र को माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं। अवधेश मिश्रा ने भी माला पहनाकर तारक चंद्र का स्वागत किया। जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक महामंत्री बृजेश वर्मा ने भी अपने सम्बोधन में नामांकन और बच्चों के विद्यालय में अधिक से अधिक ठहराव पर जोर दिया और कहा कि सभी लोग सतत हर संभव प्रयास कर नामांकन लक्ष्य को पूरा किया जाय उन्होंने साल ओढ़ाकर तारक चंद्र सम्मानित किया। राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक लाल बहादुर एवं प्राथमिक विद्यालय भटेउरा के प्रधानाध्यापक तथा सत्येंद्र विक्रम दिवाकर जिला उपाध्यक्ष अटेवा ने संयुक्त रूप से माल्यार्पण कर बुद्ध साहित्य भेंट किया। जूनियर हाई स्कूल कैरमेर के सहायक शिक्षक राकेश चंद्र ने स्मृति चिन्ह व संविधान कि प्रति भेंट की संकुल नोडल श्रवण कुमार ने माल्यार्पण कर स्वागत किया संकुल कल्पना तिवारी ने सर को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। सत्येंद्र प्रजापति (TSCT जिला सह संयोजक) ने तारकचंद को माला पहनकर स्वागत किया। स्वागत की कड़ी में संकुल मीटिंग में आए हुए न्याय पंचायत मरसा के समस्त इंचार्ज प्रधानाध्यापक सहायक शिक्षक शिक्षिकाएं अनुदेशक एवं शिक्षामित्रो ने भी गुरूजी माला अर्पण कर स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में तारक चंद ने अपने कार्यकाल के अनुभव को साझा किया और सभी से अपनी जिम्मेदारियां को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की और कहा कि आप सभी लोग नौनीहाल बच्चों के भविष्य को लेकर हमेशा संवेदनशील रहे और जो भी संभव हो सके वह बच्चों के हित में जरूर करें यही बच्चे हमारे देश के कर्ण धार हैं। जब बच्चे हमारे शिक्षित होंगे तभी हमारा देश समृद्ध और सशक्त और एक अच्छा राष्ट्र बनेगा कार्यक्रम का संचालन अटेवा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र विक्रम दिवाकर ने किया अंत में कार्यक्रम व्यवस्थापिका प्राथमिक विद्यालय हथियाई की प्रधानाध्यापिका माया दीक्षित ने सभी आए हुए अतिथियों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का समापन किया।

कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का किया वर्णन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। बिलग्राम चुंगी स्थित राधानगर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का भव्य वर्णन किया गया। कथा व्यास प्रमोद शास्त्री ने अपनी अमृतमयी वाणी से बताया कि गोवर्धन पूजा केवल एक पर्व नही, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश है।

कथा के दौरान जब शास्त्री जी ने भगवान द्वारा इंद्र का मान मर्दन कर कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाने का प्रसंग सुनायाए तो श्रद्धालु जयकारों के साथ झूम उठे। मुख्य परीक्षित आनंद रमन सिंह एवं सीमा देवी ने गोवर्धन पर्वत का पूजन कर आरती उतारी।

इस अवसर पर भगवान को विविध प्रकार के व्यंजनों का छप्पन भोग भी लगाया गया।इस मौके पर शत्रुदमन सिंहए रिन्कू यादवए शोभितए आयुष सिंहए आशीष सिंह और आकर्ष सिंह आदि लोग मौजूद रहे हैं।

युवक की डूबकर हुई मौत

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना क्षेत्र के अंतर्गत गौरी फरान्ना घाट पर बुधवार को गंगा नदी में स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से करनपुर निवासी एक 30 वर्षीय युवक की डूबकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करनपुर गांव निवासी रामू (30) पुत्र श्रीराम बीते मंगलवार को जनपद कन्नौज के जलेसर सराय स्थित अपने मामा के घर गया हुआ था। बुधवार को वह वहां से वापस घर लौट रहा था। दोपहर के समय गौरी फरान्ना घाट पर नाव से उतरने के बाद रामू गंगा नदी में स्नान करने लगा। इसी दौरान अचानक गहराई का अंदाजा न होने के कारण वह गहरे पानी की चला गया और नदी में डूब गया। आसपास के लोग मौके बचाने का प्रयास किया लेकिन वे असफल रहे। मृतक रामू के परिजनों ने बताया कि वह चार भाइयों में दूसरे नंबर का था और अभी अविवाहित था।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया हैं। परिजनों ने बुधवार शाम को अरवल थाने में लिखित सूचना दे दी है।

शादी का झांसा देकर दुराचार करने के मामले में युवक के खिलाफ रिपोर्ट हुई दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शादी का झांसा देकर दुराचार करने के मामले में एसपी के आदेश पर एक युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार अरवल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कन्नौज जनपद के बूटा नगला थाना सौरिख निवासी आनंद कुमार के भाई की ससुराल उसके गांव में है। पिछले करीब डेढ़ साल से आनंद का उसके गांव आना जाना था। जिसके जरिए उसके बातचीत होने लगी थी। तथा युवक ने शादी का झांसा देकर होटल मे ले जाकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए तथा उसके फेटो वीडियो भी बना लिए थे। युवक शादी से इनकार कर रहा है। तथा युवती के फेटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर पुलिस ने घटना की एफ्आईआर दर्ज कर ली है। अरवल थाना अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

बंगाल की बिसात पर योगी की 'हिंदुत्व' वाली गर्जना

पश्चिम बंगाल की राजनीति के केंद्र में इस समय केवल चुनावी आंकड़े नहीं, बल्कि विचारधाराओं का वह प्रचंड टकराव है जिसने भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों को बिल्कुल आमने-सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो भगवा चोले में हिंदुत्व की धार और 'बुलडोजर मॉडल' की धमक लेकर बंगाल की गलियों में टीएमसी के किले को ढहाने निकले हैं, तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव हैं, जिन्होंने इस चुनावी शोर से एक सोची-समझी दूरी बना रखी है। यह दूरी महज संयोग नहीं, बल्कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव और दिल्ली की गद्दी के लिए बुनी जा रही उस बिसात का हिस्सा है, जहां हर कदम फूंक-फूंक कर रखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ का बंगाल में उतरना महज एक स्टार प्रचारक की मौजूदगी नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेश है जो सीधे लखनऊ के गलियारों तक पहुंच रहा है। योगी आदित्यनाथ जब पुरुलिया या कोलकाता की सड़कों पर गरजते हैं, तो उनके निशाने पर सिर्फ ममता बनर्जी नहीं होतीं, बल्कि वह तुष्टिकरण की उस राजनीति पर प्रहार करते हैं जिसे भाजपा बंगाल में अपनी जीत की कुंजी मानती है। योगी का 'स्ट्राइक रेट' अब सिर्फ चर्चा का विषय नहीं, बल्कि विपक्षी खेमे के लिए सिरदर्द बन चुका है। बिहार चुनाव में 90 फीसदी और दिल्ली में करीब 78 फीसदी की सफलता दर ने उन्हें भाजपा का सबसे बड़ा 'इम्पैक्ट मेकर' बना दिया है। वह बंगाल की धरती पर खड़े होकर जब यह कहते हैं कि 'बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से है', तो वह दरअसल बंगाली अस्मिता को हिंदुत्व के साथ जोड़कर एक नया नैरेटिव सेट कर रहे होते हैं। उनका सीधा हमला कोलकाता के मेयर के उस बयान पर है जिसमें उर्दू की वकालत की गई थी। योगी यहां स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि बंगाल में केवल बंगाली और भारतीय संस्कृति चलेगी, किसी भी प्रकार का विदेशी प्रभाव या तुष्टिकरण स्वीकार्य नहीं होगा। दूसरी ओर, अखिलेश यादव की खामोशी उत्तर प्रदेश की राजनीति के भविष्य की ओर इशारा करती है। बंगाल में ममता बनर्जी और अखिलेश के संबंध जगजाहिर हैं। ममता ने यूपी चुनाव में अखिलेश के लिए रैलियां कीं, लेकिन आज जब बंगाल में ममता को उनकी जरूरत थी, तब अखिलेश ने खुद को पीछे खींच लिया। इसके पीछे 'गठबंधन धर्म' का पेचीदा गणित है। बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट एक साथ हैं और टीएमसी के खिलाफ लड़ रहे हैं। यूपी में अखिलेश और कांग्रेस का अटूट साथ है। अगर अखिलेश बंगाल में ममता के मंच पर जाते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों में दरार आ सकती थी। भाजपा को यह कहने का मौका मिल जाता कि अखिलेश 'दो नावों की सवारी' कर रहे हैं। साथ ही, बंगाल में जिस तरह से ध्रुवीकरण की राजनीति चरम पर है, अखिलेश नहीं चाहते कि वह ममता के साथ खड़े होकर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के उन आरोपों को खुद पर ओढ़ लें, जिससे वह यूपी में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के जरिए बचने की कोशिश कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ का 'यूपी मॉडल' बंगाल में एक ब्रांड बन चुका है। वह अपनी रैलियों में बार-बार 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश और आज के उत्तर प्रदेश की तुलना करते हैं। वह बताते हैं कि कैसे कभी यूपी में माफियाओं का राज था, कैसे सड़कों पर नमाज के नाम पर अराजकता होती थी और कैसे त्योहारों पर पाबंदियां थीं। उनका 'नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा' का नारा बंगाल के उन मतदाताओं को आकर्षित कर रहा है जो कानून-व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। योगी का बुलडोजर अब सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि सुशासन का प्रतीक बन चुका है, जिसे वह बंगाल में टीएमसी के 'गुंडाराज' के खिलाफ एक हथियार के तौर पर पेश कर रहे हैं। वह टीएमसी कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हैं कि भाजपा की सरकार बनते ही अपराधी जेल में होंगे, ठीक वैसे ही जैसे यूपी के माफिया आज बिलों में छिपे हैं या जेल की सलाखों के पीछे हैं। अखिलेश यादव के लिए चुनौती सिर्फ गठबंधन बचाने की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि को बरकरार रखने की भी है। लोकसभा चुनाव में तीसरी बड़ी पार्टी बनने के बाद अखिलेश को भविष्य के पीएम चेहरे के तौर पर देखा जाने लगा है। लेकिन बिहार और अब बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के चुनावों से उनकी अनुपस्थिति उनके 'नेशनल एंबिशन' पर सवाल खड़े करती है। क्या वह केवल यूपी के नेता बनकर रह जाना चाहते हैं? या फिर वह हिंदुत्व बनाम तुष्टिकरण की इस जंग में खुद को इतना सुरक्षित रखना चाहते हैं कि यूपी के बहुसंख्यक वोटों में कोई बिखराव न हो? राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अखिलेश यादव इस समय भाजपा के 'सांप्रदायिक ध्रुवीकरण' के जाल में नहीं फंसना चाहते। वह जानते हैं कि बंगाल में ममता के पक्ष में खड़ा होना सीधे तौर पर भाजपा के हिंदुत्व के पिच पर खेलने जैसा होगा, जो उत्तर प्रदेश में उनके 'पीडीए' समीकरण को बिगाड़ सकता है। योगी आदित्यनाथ की रैलियों में उमड़ता जनसैलाब और उनका आक्रामक तेवर यह साफ करता है कि भाजपा ने बंगाल को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। योगी का 'गौ-माता' और 'राम' का मुद्दा सीधे तौर पर बंगाल की सांस्कृतिक जड़ों को छूने का प्रयास है। वह ममता बनर्जी के उस 'गुस्से' को ढाल बना रहे हैं जो वह 'जय श्री राम' के नारों पर दिखाती रही हैं। योगी का यह कहना कि 'ममता दीदी राम नाम से चिढ़ती हैं', बंगाल के हिंदू मतदाताओं के मन में एक गहरा प्रभाव छोड़ रहा है। वह इस लड़ाई को 'बंगाली अस्मिता बनाम बाहरी' से मोड़कर 'हिंदुत्व बनाम तुष्टिकरण' पर ले आए हैं। कोलकाता के मेयर के बयान को आधार बनाकर उन्होंने बंगाली अस्मिता को बचाने का जो कार्ड खेला है, उसने टीएमसी की रणनीति को बैकफुट पर धकेल दिया है। बहरहाल, यह चुनाव केवल बंगाल की सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति की दिशा भी तय करेगा। योगी आदित्यनाथ जहां अपनी 'हिंदुत्ववादी छवि' और 'कठोर प्रशासक' के ठप्पे को और मजबूत कर रहे हैं, वहीं अखिलेश यादव एक 'वेट एंड वॉच' की नीति पर चल रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन पर राष्ट्र के नाम रुंदन भरा संबोधन

निर्मल रानी

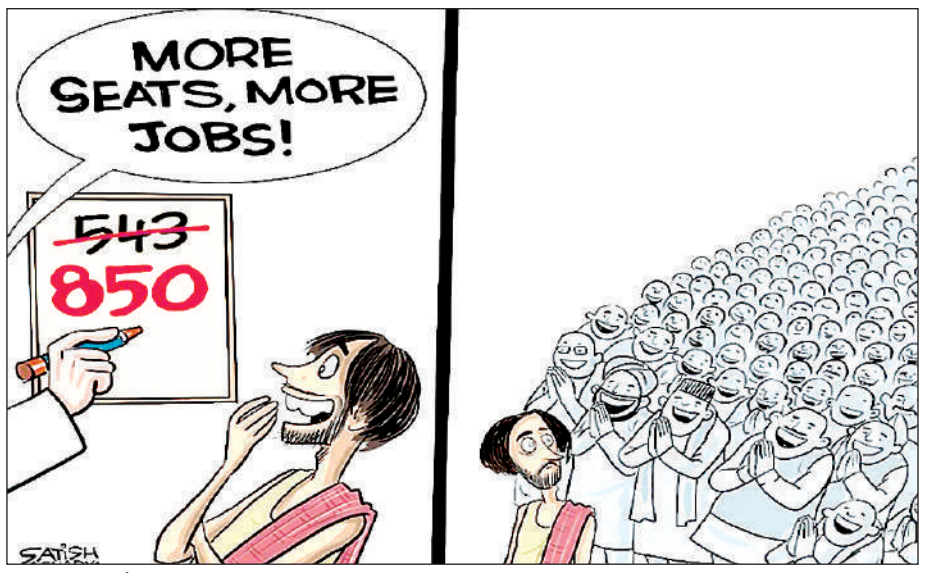

मध्य एशिया में छिड़े संघर्ष के परिणामस्वरूप पूरे विश्व में मंहगाई व बेरोज़गारी बढ़ती जा रही है। भारत में भी गैस व सिलेंडर के अभाव के कारण लगने वाली लंबी लंबी क़तारों के साथ ही हज़ारों छोटे व मध्यम उद्योगों के बंद होने के समाचार मिल रहे हैं। विभिन्न औद्योगिक नगरियों से कामगारों के ऐसे दर्दनाक दृश्य दिखाई दे रहे हैं जो कोरोना काल के समय हुये प्रवासियों के पलायन की याद दिला रहे हैं। परन्तु हमारे देश की सरकार व यहाँ के नेता इन वास्तविकताओं से मुंह मोड़कर हमेशा की तरह आज भी 'चुनावी मोड ' में हैं। प्रायः ऐसा देखा गया है कि चुनावी बेला में कुछ न कुछ ऐसा शगूफ़ा ज़रूर छोड़ा जाता है जो सत्ता के पक्ष में,चुनाव को प्रभावित करने,विपक्ष को बदनाम करने,चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने तथा सत्ता का दुरूपयोग करने वाला हो। परन्तु इन चुनावी महारथियों को इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता क्योंकि चुनाव आयोग सहित अनेक संस्थाओं पर सत्ता ने अपनी पकड़ मज़बूत जो कर ली है ?

देश ने पिछले दिनों एक ऐसा ही 'हाई प्रोफ़ाइल ' राजनैतिक ड्रामा देखा। केंद्र सरकार ने अचानक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुला लिया। सरकार की तरफ़ से पहले तो इस आपात सत्र को बुलाने के कारण को भी सांसदों से गुप्त रखा गया। फिर एन वक़्त पर बताया गया कि इस विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण विधेयक जिसे वर्तमान सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का नाम दिया है इसे जल्द लागू करने के लिए लोकसभा की सीटों का परिसीमन करना व इनकी संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने संबंधी संशोधन विधेयक पारित कराना है। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से 2029 के आम चुनावों से पहले 33% महिला आरक्षण लागू हो सकेगा। यही बताकर लोकसभा में विगत 17 अप्रैल को 131 वां संविधान संशोधन विधेयक सरकार द्वारा पेश किया गया जो मतदान के बाद पारित नहीं हो सका। क्योंकि इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित होने के लिये लोकसभा में विशेष यानी दो तिहाई बहुमत की ज़रूरत थी। गोया वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सदस्य हैं और कुल सदस्यों का सामान्य बहुमत लगभग 272 होता है जोकि सरकार के गठन के लिये तो पर्याप्त है परन्तु संविधान संशोधन के लिये उपस्थित और मतदान करने वालों सदस्यों में दो-तिहाई बहुमत के लिए सामान्यतः 362 या इससे अधिक वोट चाहिए। परन्तु चूँकि केवल 298 मत विधेयक के पक्ष में और 230 इस के विपक्ष में पड़े इसलिये यह विधेयक पारित नहीं हो सका। वैसे भी इतना महत्वपूर्ण विधेयक सदन की पटल पर लाने से पूर्व जिसपर परिसीमन को लेकर चर्चा की जाने थी, सत्ता पक्ष ने विपक्ष से बात करना,सर्वदलीय बैठक बुलाना या विपक्ष को विश्वास में लेना भी ज़रूरी नहीं समझा।

अब इस 'नारी शक्ति वंदन' नामक विधेयक के गिरने के बाद सत्ता ने एक बड़ा है 'हाई वोल्टेज ड्रामा' शुरू किया जिस के तहत पहले तो प्रधानमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक गिरने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा और बाद में प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्र के नाम संबोधन' किया जो कि एक रुन्दन भरा व शत प्रतिशत चुनावी भाषण जैसा सम्बोधन था। जनता के टैक्स के पैसों से संचालित होने वाले दूरदर्शन,संसद टी वी व ऑल इंडिया रेडिओ जैसे चैनल्स पर इसे लाइव प्रसारित किया गया। जबकि सत्ता के गुणगान में लगे 'गोदी मीडिया ' के अधिकांश निजी चैनल्स ने भी इसे लाईव प्रसारित किया। यह संबोधन पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित, विपक्षी दलों को बदनाम करने,कई राज्यों में चल रहे चुनावों के बीच चुनाव को प्रभावित करने वाला तथा चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन था। सही मायने में सरकार की जितनी फ़ज़ीहत विधेयक के पारित न होने से हुई थी उससे कहीं ज़्यादा इस तथाकथित 'राष्ट्र संबोधन ' से हो गयी।

18 अप्रैल को 'राष्ट्र के नाम सम्बोधन' के नाम पर दिये गये इस 29 मिनट के चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया बल्कि अन्य कई विपक्षी दलों के अतिरिक्त 58 बार केवल कांग्रेस पार्टी का नाम लेकर उसे ख़ूब कोसा। इसके बाद देश के 700 से अधिक पूर्व नौकरशाहों व विशिष्ट लोगों ने भारतीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई कि प्रधानमंत्री के प्रसारण में चुनाव अचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाई गयीं और प्रधानमंत्री का भाषण चुनाव अचार संहिता का सरासर उल्लंघन है। क्योंकि चुनाव अचार संहिता के लागू होने के बावजूद सरकारी टी वी प्रसारण के द्वारा चुनाव प्रचार किया गया और पार्टी प्रोपेगैंडा करने के लिए सरकारी मास मीडिया प्लेटफ़ार्म का दुरूपयोग किया गया जोकि चुनाव नियमों का गंभीर उल्लंघन है। निश्चित रूप से देश के इतिहास में यह पहला मौक़ा था जबकि किसी प्रधानमंत्री ने केवल विपक्ष को बदनाम करने व उसकी आलोचना करने के लिए 'राष्ट्र को संबोधित' करने के बहाने इस तरह से सरकारी प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल किया हो।

इसके बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जिसतरह आंकड़ों व तथ्यों के साथ भाजपा को आइना दिखाना शुरू किया उससे तो भाजपाइयों के लेने के देने पड़ गये। ,सबसे पहले तो कांग्रेस ने कहा कि जो महिला आरक्षण विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है उसे पुनः पारित करने का अर्थ क्या है ? नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये दरअसल महिला आरक्षण विधेयक नहीं है बल्कि भारत के वर्तमान चुनावी ढांचे को बदलने की साज़िश है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री महिला आरक्षण चाहते हैं तो 2023 का पारित हो चुका महिला विधेयक लायें और उसे आज ही लागू करें तो पूरा विपक्ष समर्थन देगा। साथ ही इस विधेयक के गिरने के बाद महिलाओं की हमदर्दी में घड़ियाली आंसू बहाने व विपक्ष पर ही हमलावर होने वाली भाजपा से इसी विपक्ष ने ऐसे सवाल पूछने शुरू कर दिए जिसका भाजपा के लफ़्फ़ाज़ी नेताओं के पास कोई जवाब नहीं।

महिला आरक्षण के इन स्वयंभू सत्ताधारी हमदर्दों से विपक्ष ने यह भी पूछा कि सबसे ज़्यादा सांसद होने के बाद भी बीजेपी की महिला सांसदों की संख्या का अनुपात अन्य राजनैतिक दलों की तुलना में सबसे कम क्यों है ? ग़ौरतलब है कि वर्तमान लोकसभा में बीजेपी के 240 लोकसभा सांसदों में केवल 31 महिलाएं हैं अर्थात उनकी संख्या मात्र 12.90% है। जबकि कांग्रेस के 98 सांसदों में 14 यानी 14.30% इसी प्रकार टीएमसी के 29 में 11 महिला सांसद यानी 37.90% महिलाएं हैं। इसी तरह समाजवादी पार्टी में भी 37 में 5 यानी 13.50% महिला सांसद हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा का यह चिट्ठा भी खोलकर रख दिया कि भाजपा के शासन में यहाँ तक कि स्वयं अनेक भाजपा नेताओं द्वारा नारियों का किस तरह शोषण व अपमान किया गया है व किया जा रहा है। इसलिये यह कहना ग़लत नहीं होगा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के गिरने पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम रुन्दन भरा संबोधन कोरी राजनीति,आचार संहिता का उल्लंघन ,जनता के टैक्स के पैसों का दुरूपयोग और भाजपा की हताशा के सिवा और कुछ नहीं था।

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

ललित गर्ग

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश। इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए।

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटेस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश। इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

पुस्तकों को लेकर घटती रुचि, कल्पनाशीलता के मुरझाने का खतरा

योगेश कुमार गोयल

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस (23 अप्रैल) पर विशेष

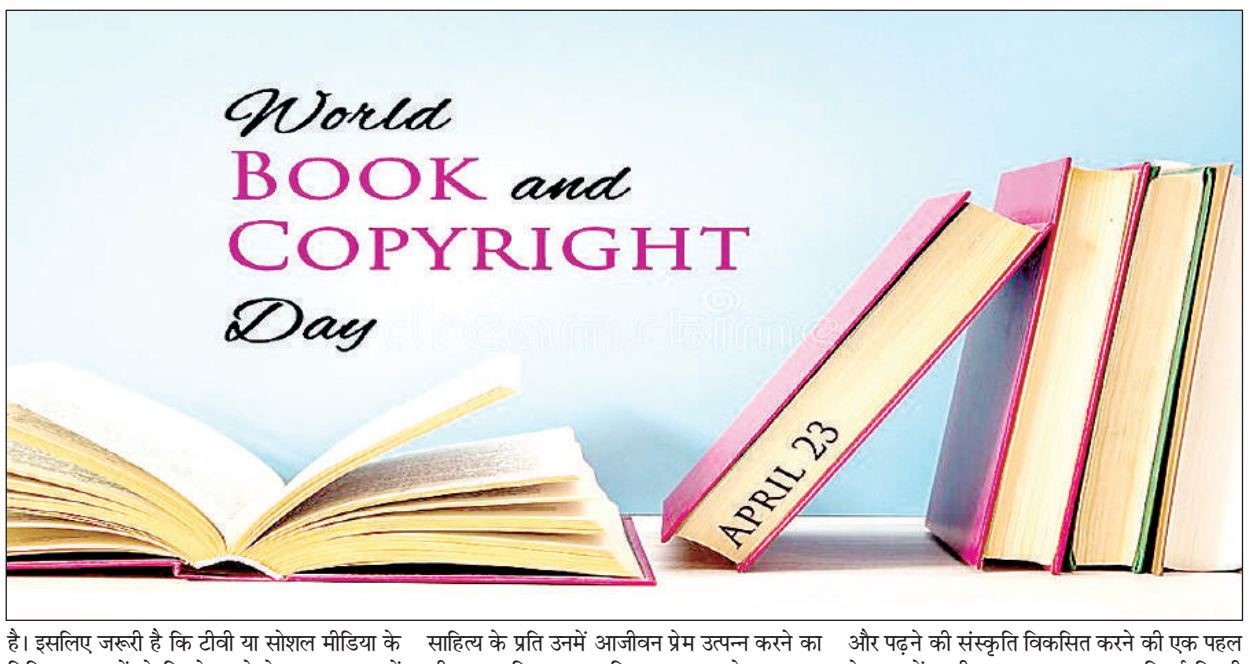

पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता। पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं लेकिन यह चिंताजनक है कि पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत निरंतर कम होती जा रही है। लोगों को पुस्तकें पढ़ने, कॉपीराइट कानूनों तथा अन्य उपायों को समझने के लिए प्रोत्साहित करने, लेखकों और पुस्तकों को वैश्विक सम्मान देने तथा पढ़ने की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को यूनेस्को तथा दुनियाभर के अन्य संबंधित संगठनों द्वारा 'विश्व पुस्तक दिवस' मनाया जाता है। 'विश्व पुस्तक तथा कॉपीराइट दिवस' का औपचारिक शुभारंभ 'यूनेस्को' द्वारा 23 अप्रैल 1995 को किया गया था।

यह चिंता का विषय है कि आधुनिकता के दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हुआ है। मोबाइल और कम्प्यूटर के जमाने में अब बच्चे हों या बड़े, अधिकांश इन्हीं पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का स्पष्ट मत है कि इंटरनेट या विभिन्न संचार माध्यमों से मिलने वाली जानकारियों को हमारे मस्तिष्क को चुपचाप ग्रहण करना पड़ता है, जो दिमाग की खुद की कल्पनाशीलता को कुंद कर देते हैं जबकि पुस्तकें पढ़ने के लिए ध्यान, एकाग्रता और मेहनत की आवश्यकता होती है, जिससे विचारों और भावनाओं के लिए नई रोशनी और प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए जरूरी है कि टीवी या सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से चिपके रहने के बजाय पुस्तकों की दुनिया को जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए ताकि रचनात्मकता का उपयोग करते हुए क्षितिज का विस्तार करने में पुस्तकों की शक्ति का बेहतर उपयोग किया जा सके।

बाल साहित्य और ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास को बढ़ावा देने और साहित्य के प्रति उनमें आजीवन प्रेम उत्पन्न करने का भी प्रयास किया जाए। जिस समय हमारे आसपास कोई नहीं होता या हम अकेले अथवा उदास हैं, परेशान हैं, ऐसे समय में पुस्तकें ही हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। हमारे दिलोदिमाग में उमड़ते सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर और कोई जरिया नहीं हो सकता।

सभी भारतीय भाषाओं में पुस्तकों को बढ़ावा देने और पढ़ने की संस्कृति विकसित करने की एक पहल के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रतिवर्ष दिल्ली में भव्य पुस्तक मेले 'विश्व पुस्तक मेला' का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के आयोजन लोगों में किताबें पढ़ने की रूचि विकसित करने के साथ-साथ कलम और मुद्रित दुनिया की ताकत को दोहराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि हर साल इतने भव्य और विशाल पुस्तक मेले के सफल आयोजन के बावजूद विशेषकर हिन्दी भाषी पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत कम हो रही है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि साल में एक बार आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले के अलावा भी ऐसे क्या प्रयास किए जाएं, जिससे लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों के प्रति बढ़े और हिन्दी पुस्तकें ज्यादा से ज्यादा पाठकों तक पहुंच सकें।

आज के दौर में लोगों की रूचि पुस्तकों में कम होती जा रही है, ऐसे में पुस्तक मेलों के आयोजन के माध्यम से तो लोगों में पुस्तकों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के प्रयास किया जाना जरूरी है ही, साथ ही स्कूलों और स्थानीय पुस्तकालयों में भी अच्छी पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। खासकर बच्चों के समग्र विकास के लिए तो उन्हें प्रेरणादायक बाल साहित्य, दिलचस्प नवीनतम साहित्य तथा अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों की ओर आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि ऐसी पुस्तकों को पढ़ने से उनका मानसिक और सामाजिक विकास तीव्रता से होता है।

किसी भी स्कूल का पुस्तकालय बच्चों में पुस्तकों के प्रति प्रेम विकसित करने और उन्हें दुनिया के बारे में अधिक जानने में भी मदद करता है। यही कारण है कि केवल पाठ्य-पुस्तकों को ही बच्चों की समझ को विकसित करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में सभी स्तर के विद्यार्थियों के लिए स्कूल और स्थानीय पुस्तकालयों में स्थानीय भाषाओं में दिलचस्प और प्रेरणादायक बाल साहित्य तथा पुस्तकें बड़ी संख्या में उपलब्ध कराने की बात कही गई थी लेकिन मौजूदा समय में स्कूलों में ऐसी पुस्तकों की उपलब्धता के आंकड़े बेहद निराशाजनक हैं।

कुछ राज्यों में स्कूलों की लाइब्रेरी में पुस्तकों की संख्या संतोषजनक है लेकिन कई राज्यों में बच्चों के पढ़ने के लिए पुस्तकों की कमी के मामलों में लापरवाही व उदासीनता साफ झलकती है। हालांकि नई पुस्तकों की खरीद के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपये का बजट आवंटित होता है लेकिन स्कूलों के पुस्तकालयों में रखरखाव के अभाव में पुस्तकों को दीमक चाट रहे हैं। कमोबेश ऐसा ही हाल देश के लगभग सभी राज्यों में देखने को मिलता है। स्कूलों में बच्चों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता और उनके रखरखाव में लापरवाही के मामलों को गंभीरता से देखने और इसे लेकर कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि स्कूली स्तर पर ही पुस्तकों के प्रति बच्चों का आकर्षण कम न होने पाए। पुस्तकों की महत्ता को परिभाषित करते हुए अमेरिकी इतिहासकार व लेखक बारबरा डब्ल्यू तुचमन का कहना था कि पुस्तकें सभ्यता की वाहक हैं, जिनके बिना इतिहास मौन है, साहित्य गूंगा है, विज्ञान अपंग है, विचार और अटकलें स्थिर हैं। पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं। पुस्तकें ज्ञान एवं नैतिकता की संदेशवाहक, अखण्ड सम्पत्ति, भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति हेतु एक खिड़की तथा चर्चा हेतु औजार का काम करती हैं तथा भौतिक वैभव के रूप में देखी जाती हैं। अच्छी पुस्तकें बच्चों और युवा पीढ़ी को ज्ञानवान, संस्कारित और चरित्रवान बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाती हैं।

कौशाम्बी पुलिस की बड़ी सफलता, 22 लाख के 92 मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद कौशांबी पुलिस ने मोबाइल चोरी और गुमशुदगी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 22 लाख रुपये मूल्य के 92 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिये। इन मोबाइल फोन की बरामदगी सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद से संभव हो सकी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने पुलिस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि जिले के 13 थानों में मोबाइल चोरी, स्नैचिंग और गुमशुदगी की शिकायतें दर्ज थीं। इन पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने सर्विलांस और मैनुअल इनपुट के आधार पर मोबाइल फोन ट्रैक कर बरामद किये।

एसपी ने बताया कि सीईआईआर एक केंद्रीकृत नागरिक पोर्टल है, जो चोरी, गुम या छीने गए मोबाइल फोन को ट्रैक करने में मदद करता है। आम नागरिक भी अपने खोए या चोरी हुए मोबाइल की सूचना सीधे ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं, जिससे फोन को ब्लॉक कर ट्रेस किया जा सकता है। बरामद मोबाइल जनपद के विभिन्न थानों से प्राप्त हुए, जिनमें पश्चिम शरीरा से सर्वाधिक 18 मोबाइल बरामद कर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। करारी थाना 13 मोबाइल के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कड़ा धाम और कोखराज थाना (प्रत्येक 12 मोबाइल) तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा मंझनपुर से 10, सराय अकिल से 8, सैनी से 6, महेवाघाट से 3, संदीपनघाट से 3, चायल से 2, पिपरी से 2, मोहब्बतपुर पैंसा से 2 तथा कौशांबी से 1 मोबाइल बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि थानों में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटरों और सीसीटीएनएस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों की जांच के बाद मोबाइल फोन को उनके वास्तविक स्वामियों की पहचान कर सौंपा। इस अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

मार्ग दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बाइक सवार की मौत

सफीपुर-उन्नाव। पौत्री के मुंडन संस्कार का निमंत्रण कार्ड बांटने जा रहे बाबा की बाइक गांव से करीब दो किलोमीटर दूर पुलिया से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल मुंशीलाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के इब्राहिमाबाद गांव निवासी मुंशीलाल (55) पुत्र कन्हई की पौत्री सुहानी (पुत्री रंजीत) का 1 मई को मुंडन संस्कार होना तय था। बुधवार को वह मुंडन का निमंत्रण कार्ड बांटने सकहन गांव अपनी बुआ के घर जा रहे थे। बताया जाता है कि गंगोली मार्ग पर नीगागाढ़ा गांव के पास पहुंचते ही उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया से जा टकराई। तेज रफ्तार के कारण टक्कर के बाद वह दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें सीएचसी सफीपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रिद्धि सिद्धि ग्रुप के विद्यालयों में मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस, बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। रिद्धि सिद्धि ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत संचालित कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल केपीएस भरवारी, केपीएस भीटी एवं एन.डी. कॉन्वेंट स्कूल भरवारी में विश्व पृथ्वी दिवस बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में विविध शैक्षिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई जहां छात्रों को पृथ्वी के महत्व, उसके संरक्षण की आवश्यकता तथा वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके बाद विभिन्न कक्षाओं में पृथ्वी दिवस से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। विद्यार्थियों ने रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रंगोली के माध्यम से ह्लसेव अर्थ, गो ग्रीन और जल ही जीवन है जैसे संदेश आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किए गए। वहीं पोस्टरों में प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, वृक्षारोपण और जल संरक्षण जैसे विषयों को प्रभावी रूप से दर्शाया गया। इस दौरान छात्रों ने अपने विचार भी व्यक्त किए और पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयासों जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, अधिक से अधिक पौधारोपण तथा जल व ऊर्जा की बचत पर जोर दिया। उनके विचारों में जागरूकता और परिपक्वता स्पष्ट रूप से झलक रही थी।

विद्यालय के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया और उन्हें दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि पृथ्वी केवल संसाधन नहीं, बल्कि हमारा साझा घर है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। समूह की डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार ने अपने संदेश में कहा कि ह्लपृथ्वी हमारी जीवनदायिनी है और इसका संरक्षण करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

क्लैमाइडिया विषय पर मेडिकल कॉलेज कौशांबी में जागरूकता सेमिनार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, कौशाम्बी के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा बुधवार को क्लैमाइडिया विषय पर एक विस्तृत एवं जागरूकता-आधारित सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य यौन जनित रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विशेष रूप से क्लैमाइडिया संक्रमण के बारे में गहन जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसमें आयोजकों ने युवाओं के बीच यौन स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने क्लैमाइडिया के कारण, संक्रमण के तरीके, लक्षण, संभावित जटिलताएं, जांच की विधियां तथा आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रस्तुतियों में बताया गया कि क्लैमाइडिया एक सामान्य लेकिन अक्सर बिना लक्षण के रहने वाला संक्रमण है, जो समय पर पहचान न होने पर बांझपन जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। वक्ताओं ने बताया कि यह संक्रमण मुख्यतः असुरक्षित यौन संबंधों के माध्यम से फैलता है। इससे बचाव के लिए सुरक्षित यौन व्यवहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें और स्वयं उपचार करने से बचें। कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानाचार्य एवं संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करते हैं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में भी सहायक होते हैं।

माटीकला रोजगार योजना को बढ़ावा, 10 लाख तक की परियोजना पर 25% अनुदान

उन्नाव। ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने तथा पारंपरिक कुम्हार कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनपद में मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना को गति दी जा रही है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद उन्नाव में इस योजना के तहत चार इकाइयों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत माटीकला से जुड़े कारीगरों और कामगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रत्येक इकाई के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये की परियोजना लागत निर्धारित की गई है, जिसमें पूंजीगत ऋण पर 25 प्रतिशत तक मार्जिन मनी अनुदान दिया जाएगा।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि लाभार्थियों का चयन निर्धारित स्कोर कार्ड के आधार पर किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बढते तापमान के दृष्टिगत जारी की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। ग्रीष्म ऋतु के गर्मी लू के प्रकोप को लगातार बढते हुए देखकर तथा भू प्रथ्वी मौषम विज्ञान केन्द्र से जारी चेतावनी के अनुसार लगातार ताप बढने के आसार को देखते हुए जनपद में जिलाधिकारी अमित आशेरी जी जनपद वासियों से अपील की है कि लू हीट वेब की स्थिति उत्पन्न होने की स्थिति पर तत्काल अस्पताल की शरण लें। शरीर में पानी की कमी नहीं होने दें। ह्वीट स्टोक के लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि त्वचा का लाल,गर्म, शुष्क होना। गर्मी लगना किन्तु पसीना नहीं आना। गर्मी के कारण पल्स का तीव्र होना, उथले स्वांस गति का तीव्र होना, पर्याप्त मात्रा में पेशाब नहीं जाना। सिरदर्द, मतली, थकान, चक्कर आना और कमजोरी होना। गर्मी के कारण असमान्य व्यवहार करना, भ्रम की स्थिति उत्पन्न होने का अनुभव करना शामिल हैं। वहीं ह्वीट स्टोक के कारण शरीर में प्रभाव के बारे में बताया कि उच्च तापमान से शरीर के आंतरिक अंगों को विशेष रूप से मष्तिष्क को नुकसान पंहुचाता है। हृरदय की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं लू (गर्मी) से बचाव की प्रमुख सावधानियाँ बताते हुए कहा कि धूप से बचें

दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। अगर जाना ज़रूरी हो तो छाया में चलें। हल्के और ढीले कपड़े पहनें, सूती (काटन) और हल्के रंग के कपड़े पहनें। सिर को टोपी, गमछा या छाता से ढकें। पानी और तरल पदार्थ अधिक लें। दिन भर में बार-बार पानी पीते रहें। वै घोल, नींबू पानी, छाछ, लस्सी का सेवन करें।बाहर निकलते समय पानी की बोतल साथ रखें। इसके अलावा संतुलित और हल्का भोजन करें। ताजे फल जैसे तरबूज, खीरा, ककड़ी खाएँ। बहुत ज्यादा तला-भुना और मसालेदार भोजन न लें। घर को ठंडा रखें,दिन में खिड़की-दरवाजे बंद रखें, पर्दे लगाएँ?।रात में हवा आने दें। पंखा, कूलर का उपयोग करें। इन चीजों से बचें जिनमें खाली पेट धूप में न निकलें। शराब, चाय-काफी का अधिक सेवन न करें। ज्यादा मेहनत या व्यायाम धूप में न करें। विशेष ध्यान रखें।बच्चे, बुजुर्ग और बीमार व्यक्ति जल्दी प्रभावित होते हैं। उन्हें धूप से दूर और ठंडे स्थान पर रखें। लू लगने के लक्षण

तेज बुखार, चक्कर आनासिरदर्द, उल्टी शरीर में कमजोरी, बेहोशी आदि लक्षण दिखाई देते हैं। प्रचार माध्यमों पर ह्वीट वेब लू की चेतावनी का अक्षरशः पालन करें। अधिक से अधिक पानी पिएँ, प्यास नहीं लगी हो तब भी थोड़ा थोड़ा पानी पीते रहे। ह्वीट लू तापाघात होने पर बिना देरी किए तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। उल्टी दस्त आदि की शिकायत होने पर तत्काल ओ आर एस का घोल पिएँ। ऐसे में तुरंत छाया में लाएँ, ठंडा पानी पिलाएँ । शरीर का ताप बढने पर गीले वस्त्रों से त्वचा को बार बार पोंछे।।

जिलाधिकारी वित्त/राजस्व कुमार धर्मेन्द्र ने कृषक भाइयों एवं श्रमिकों से अपील की अपने काम के समय में बदलाव कर प्रातः जल्दी काम प्रारम्भ करें तथा दोपहर होते होते समाप्त कर विश्राम करें। दोपहर उपरांत तीन चार बजे ही दुबारा काम प्रारम्भ करें। अपने साथ पानी आवश्य रखें। हो सके तोपानी में ग्लूकोज या नीबू आदि का प्रयोग करें। यात्रियों के लिए भी नगर पालिका एवं नगर पंचायतों से उपलब्ध टैंकर या कूलर टैंकर का जल पीएं। शरणांलायों में विश्राम कर ही यात्रा पुनर्प्रारम्भ करें। जिला आपदा विशेषज्ञ डा प्रभाकर सिंह ने जनपद में किसी प्रकार से तापाघात के प्रभाव से बचाओ हेतु जिला आपदा कंट्रोल रूम में काल कर त्वरित मदद लेने हेतु अपील की है जिला आपदा कंट्रोल रूम के नम्बर 05192-285260 या ट्रोल फ्री नंबर 1077 पर काल कर त्वरित मदद पा सकते हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बांदा द्वारा जनहित में जारी,, जागरूकता ही है हम सबकी जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

मजदूरी करने जा रहे युवक पर गुलदार ने किया हमला, हालत गम्भीर

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर की तहसील धामपुर के थाना क्षेत्र शेरकोट में गुलदार के हमले लगातार जारी हैं। ताज़ा घटना नसीर दीवाला गांव की है, जहाँ सुबह मजदूरी पर जा रहे एक युवक पर गुलदार ने हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान करण (25) पुत्र ऋषि पाल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, करण बुधवार की सुबह अपने घर से मजदूरी के लिए निकल रहा था, तभी रास्ते में झाड़ियों में छिपे गुलदार ने उस पर अचानक हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से युवक संभल नहीं पाया और गुलदार ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। आसपास के ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार मौके से भाग निकला। ग्रामीणों ने तुरंत घायल युवक को एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से गुलदार की गतिविधियां देखी जा रही हैं। उन्होंने वन विभाग से जल्द से जल्द इलाके में पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

जिलाधिकारी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण, कमियां मिलने पर हुए नाराज

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ टूण्डला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र टूण्डला का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान कमियां मिलने पर इन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मरीजों को बाहर से दवा लिखने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की गहनता से पड़ताल की, अस्पताल में उपचार के लिए आए मरीजों से वार्ता की और उन्हे मिल रही चिकित्सीय सुविधाओं के विषय में फीडबैक लिया। अस्पताल प्रशासन द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि इस केन्द्र पर वर्तमान में 130 प्रकार की आवश्यक दवाएं उपलब्ध है, जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मरीजों को बाहर से दवा लिखने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। जिलाधिकारी ने इमरजेन्सी वार्ड का निरीक्षण किया जहां एक मरीज भर्ती पाई गयी, उन्होने वार्ड की साफ-सफाई और बेहतर करने के निर्देश दिए, इसके पश्चात उन्होने आईसोलेशन वार्ड का जायजा लिया, जहां कोई भी मरीज भर्ती नहीं था। वार्ड की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सम्बन्धितों को तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए।

कानपुर में आईपीएल सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, 3.91 करोड़ नकदी के साथ 5 गिरफ्तार

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में आईपीएल मैचों के दौरान चल रहे ऑनलाइन सट्टेबाजी के बड़े नेटवर्क का पुलिस ने बुधवार को भंडाफोड़ किया है। फजलगंज थाना पुलिस और सर्विलांस, स्वाट सेंट्रल जोन की संयुक्त टीम ने बुधवार को दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर पांच सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में तीन करोड़ इक्यानवे लाख पचास हजार रुपये की भारी नकदी बरामद की गई है, जो इस नेटवर्क के बड़े पैमाने पर संचालन की पुष्टि करती है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि एक सूचना मिली थी कि गोविंद नगर पुल के नीचे खड़ी एक कार में बैठे युवक आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर दबिश दी और कार में बैठे कौशलपुरी थाना नजीराबाद निवासी कार्तिक लखवानी और फजलगंज निवासी राजकुमार को पकड़ लिया। पूछताछ में बताया कि किदवई नगर स्थित एक किराए के मकान सट्टे का पूरा नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। इसके बाद पुलिस टीम ने बताए गए ठिकाने पर छापा मारकर तीन और लोगों को गिरफ्तार किया।

नवागंतुक डीएम घनश्याम मीणा ने संभाला कार्यभार

- मीडिया से बातचीत में गिनाईं प्राथमिकताएं, जीरो टॉलरेंस नीति, ट्रैफिक सुधार और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर फोकस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद उन्नाव के नवागंतुक जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बुधवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने मीडिया बंधुओं के साथ बैठक कर अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ जनसामान्य तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। जनपद में नवाचार को बढ़ावा देते हुए 'विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आमजन को योजनाओं का लाभ सरलता से मिले और उनकी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हो, इसके लिए प्रशासन प्राथमिकता के साथ कार्य करेगा।

उन्होंने कहा कि जनपद के समग्र विकास के लिए रणनीति बनाकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा, जिससे लोगों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। जनसुनवाई को प्रभावी बनाते हुए शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया जाएगा। साथ ही प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास बढ़ाने के लिए पूरी तन्मयता से कार्य किया जाएगा। जिलाधिकारी ने ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने, ओवरलोडिंग और अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान आत्मीयता के साथ किया जाएगा, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इससे पहले जिलाधिकारी सर्वप्रथम कोषागार पहुंचे, जहां उन्होंने महत्वपूर्ण अभिलेखों व पंजिकाओं में हस्ताक्षर कर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। घनश्याम मीणा वर्ष 2015 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वह मूल रूप से राजस्थान के जयपुर के निवासी हैं और वर्ष 2020 में उन्हें उत्तर प्रदेश कैडर मिला। इससे पूर्व वह हमीरपुर में जिलाधिकारी के रूप में करीब 19 माह तक सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही फिरोजाबाद में नगर आयुक्त और अंबेडकर नगर में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर भी कार्य कर चुके हैं।

राजस्व अधिकारियों संग बैठक, दिए जरूरी निर्देश

मीडिया बैठक से पूर्व जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की प्रगति पर गंभीरता से कार्य किया जाए और प्रत्येक योजना में बेहतर स्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समयबद्ध समाधान किया जाए। किसी भी कार्य में लापरवाही या टालमटोल न हो। जिला स्तर पर शिकायतों की संख्या कम रखने के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

आबकारी टीम की छापेमारी, 40 लीटर कच्ची शराब बरामद

- भौरावां थाना क्षेत्र के हड़हरा गांव में कार्रवाई; 300 किलो लहन नष्ट, दो अभियोग दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

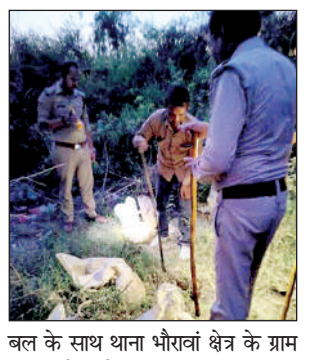

उन्नाव। जनपद में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। साथ ही मौके पर लगभग 300 किलोग्राम लहन (महुआ) को नष्ट कर दिया गया।

जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि शासन के निर्देश पर अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार 21 अप्रैल 2026 को आबकारी निरीक्षक पी.पी. टंडन (क्षेत्र-3 सफीपुर) और निशांत सिंह (क्षेत्र-4 पुरवा) ने अपनी टीम व स्थानीय पुलिस बल के साथ थाना भौरावां क्षेत्र के ग्राम हड़हरा में छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान टीम ने अवैध रूप से बनाई जा रही कच्ची शराब को बरामद किया। मौके से कुल 40 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। इसके साथ ही शराब बनाने में प्रयुक्त लगभग 300 किलो लहन (महुआ) को नष्ट कर दिया गया, ताकि दोबारा इसका उपयोग न हो सके। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में दो अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बीघापुर के सौ शय्या अस्पताल में आधुनिक दूरबीन मशीन का उद्घाटन

- मोतियाबिंद ऑपरेशन में मिलेगी सुविधा; विधायक आशुतोष शुक्ला ने विकास निधि से दी सौगात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के बीघापुर स्थित सौ शय्या अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। गुरुवार को विधायक आशुतोष शुक्ला ने अपनी विकास निधि से प्रदत्त आधुनिक दूरबीन मशीन का विधिवत उद्घाटन कर उसे क्षेत्रवासियों को समर्पित किया।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि इस मशीन के माध्यम से अब अस्पताल में मोतियाबिंद के ऑपरेशन अधिक सटीक और सुरक्षित तरीके से किए जा सकेंगे, जिससे मरीजों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

कार्यक्रम के दौरान बीघापुर थाना प्रभारी राजपाल सिंह, अस्पताल के चिकित्सकगण व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर प्रकृति संरक्षण का संकल्प

बच्चों ने दिए जागरूकता के संदेश

- पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता के साथ रोल प्ले का आयोजन; "Our Power, Our Planet" थीम पर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विकास खंड सिकंदरपुर कर्ण के उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा (कंपोजिट) में इको क्लब के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशों के क्रम में संपन्न हुआ, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने धरती को हरा-भरा रखने, कूड़ा कूड़ेदान में डालने, ऊर्जा संरक्षण के लिए कमरे से बाहर निकलते समय लाइट व पंखा बंद करने, पेड़ों की कटाई रोकने और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए। बच्चों ने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण कर उन्हें यादगार बनाने की अपील भी की।

कार्यक्रम में छात्रों ने रोल प्ले के माध्यम से पेड़ों के महत्व और उनसे होने वाले लाभों की जानकारी दी। साथ ही पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से होने वाले नुकसान के बारे में भी जागरूक किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली" निविदा वरिष्ठ मंडल विद्युत इन्जीनियर/ सा०, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है :– **निविदा सं०, वमंविइ–लजं०–को०–01–2026**, कार्य का विवरण : पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के प्राइमरी डिपो में AC कोचों में लगे RMPU और उससे जुड़े इक्विपमेंट के लिए करेक्टिव मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट दो साल के लिए। अनुमानित लागत : रू. 3,43,75,649.51, बयाना राशि : रू. 6,87,500.00, निविदा मूल्य – रू. 00.00, कार्य सम्पादन की अवधि – 24 माह। उक्त निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय : 13.05.2026 को 15.00 बजे। **नोट** : इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाईट http://www.ireps.gov.in को देखें। निविदाकार ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाईट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य, मुजाधि/विद्युत- 19 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अग्निकांड पीड़ितों के बीच पहुंचे रेहान खान 500 परिवारों को बांटी राहत सामग्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

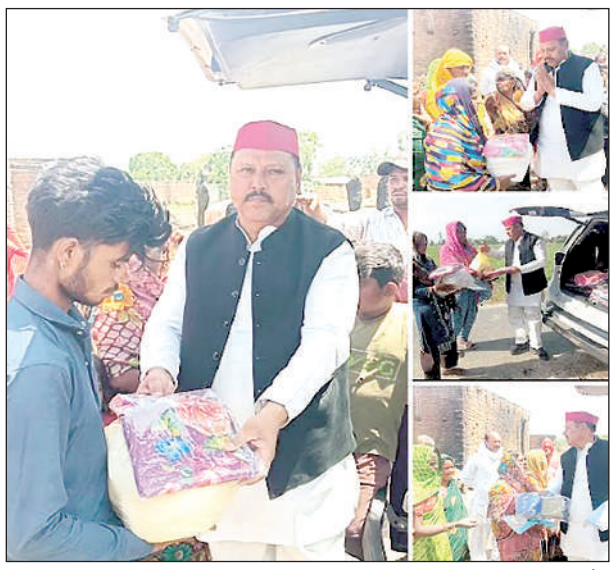

लखीमपुर खीरी। मानवता की मिसाल पेश करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव और पलिया निवासी रेहान खान ने अग्निकांड से प्रभावित सैकड़ों परिवारों की मदद के लिए बड़ा कदम उठाया। उन्होंने पलिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम काप टांडा, बेला कला, फुलवरिया सहित जनपद पीलीभीत की तहसील पूरनपुर के ग्राम राणा प्रताप नगर पहुंचकर आग से प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित की। हाल ही में इन गांवों में लगी भीषण आग से कई परिवार बेघर हो गए थे। ऐसे कठिन समय में रेहान खान ने मौके पर पहुंचकर करीब 500 राशन किट, 500 साड़ियां और 500 सलवार सूट वितरित किए। राशन किट में आटा, चावल, दाल, तेल, नमक, चीनी, चायपत्ती, धनिया, मिर्च और हल्दी सहित जरूरी खाद्य सामग्री शामिल रही। राहत सामग्री पाकर पीड़ित परिवारों ने आभार जताया और कहा कि संकट की घड़ी में उन्हें सहारा मिला है।

इस दौरान रेहान खान ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी किशनपुर, काटेय्या, महाराज नगर और काप टांडा जैसे गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल कागजी दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत बेहद खराब है। क्षेत्र में न तो बेहतर स्कूल हैं, न अस्पताल और न ही सड़कों की स्थिति ठीक है। उन्होंने यह भी कहा कि ह्लहर घर जल योजनाङ्क के तहत पानी पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन काप टांडा, किशनपुर और महाराज नगर में न तो पानी की टंकी है और न ही कोई ठोस व्यवस्था–ग्रामवासी नदी का पानी पीने को मजबूर हैं।

रेहान खान ने घोषणा की कि यदि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है, तो अग्नि पीड़ितों को एक-एक लोहिया आवास दिया जाएगा, हर क्षेत्र में अस्पताल खोले जाएंगे, बच्चों के लिए बेहतर स्कूल बनाए जाएंगे और गांवों में बिजली व सड़क की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब और जरूरतमंदों के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनकी आवाज उठाती रहेगी। उनकी इस पहल से क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है और प्रभावित परिवारों ने जल्द स्थायी समाधान की उम्मीद जताई है।

गोला में विज्ञान बस का आगमन, छात्राओं ने आधुनिक तकनीकों से लिया ज्ञान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित जिला विज्ञान क्लब-खीरी के तत्वावधान में जनपद के विद्यार्थियों में विज्ञान एवं तकनीक के लोकप्रियकरण के उद्देश्य से विज्ञान बस का संचालन 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक तहसील गोला गोकर्णनाथ में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर स्थित कृषक समाज इंटर कॉलेज से हुआ, जहां विज्ञान बस के पहुंचते ही विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली। छात्राओं ने विज्ञान बस में प्रदर्शित आधुनिक तकनीकों और उपकरणों को करीब से देखा और उनसे जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं। विज्ञान बस में 3क प्रिंटर, माइक्रोस्कोप, टेलीस्कोप, पेरिस्कोप और केमिकल बॉन्डिंग मॉडल जैसे उन्नत उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। इन माध्यमों से छात्रों को विज्ञान के सिद्धांतों को सरल, रोचक और व्यावहारिक तरीके से समझाया गया। साथ ही विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोग भी कराए गए, जिससे विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति रुचि और अधिक बढ़ी।

इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और उत्साहपूर्वक सभी गतिविधियों में हिस्सा लिया। विज्ञान बस के स्टाफ ने प्रत्येक उपकरण के उपयोग और उसके वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी इस अवसर पर नोडल अधिकारी अनंत प्रकाश सरोज प्रधानाचार्य, कृषक समाज इंटर कॉलेज एवं स्थानीय विज्ञान शिक्षक डॉ. अनिल कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विद्यालय प्रबंधक एवं पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा तथा प्रबंध समिति सदस्य डॉ. पूर्वी ने भी विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जागरूक रहने और ऐसे आयोजनों से अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम को सफल बनाने में विज्ञान बस के हेड सुभाषीष पांडेय, चालक देवेंद्र मिश्रा और सहायक अश्वनी कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विज्ञान विषय के अध्यापकों के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गुत्थियों में उलझी बख्खारी गांव में हुई चोरी, पुलिस जांच में जुटी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र के बख्खारी गांव में बीती रात हुई चोरी की घटना ने पुलिस और ग्रामीणों को उलझन में डाल दिया है। अज्ञात चोरों ने बड़ी चालाकी से घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, चोर दीवार के सहारे छत पर चढ़े और वहां से जीने के रास्ते घर के अंदर प्रवेश किया। उन्होंने रामकुमार के मकान को निशाना बनाया।

गृहस्वामिनी रामश्री द्वारा गोला पुलिस को तहरीर दी गई है, जिसके आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। रामकुमार के छोटे पुत्र जितेंद्र कुमार ने बताया कि घटना के समय वह छत पर सो रहा था, जबकि उसके माता-पिता मकान के बाहरी आंगन में चारपाई पर सो रहे थे। बड़े भाई शक्ति कुमार अपनी पत्नी गीता देवी और दो बच्चों के साथ कमरे में सोए हुए थे। गांव में बारात होने के कारण सभी लोग देर रात तक जागते रहे, जिसका फायदा चोरों ने उठाया। रात करीब 2 से 4 बजे के बीच चोर घर में दाखिल हुए और दो अलग-अलग कमरों में रखे बक्सों व अलमारी को चाबी से खोल लिया। इसके बाद उन्होंने सामान को कमरे में बिखेर दिया और बक्सों में रखे जेवरात चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार तिवारी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया।

उन्होंने गोला इंस्पेक्टर अम्बर सिंह को मामले की गहन जांच करने के निर्देश दिए हैं फिलहाल पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और चोरों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, निष्पक्षता पर फोकस : मनीष कुमार वर्मा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता बनाए रखना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली जाए और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट या प्रतिबंधित सामग्री को अंदर ले जाने की अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा कि केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ नहीं लगने दी जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। नकल कराने वाले गिरोहों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। साथ ही सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों से निरंतर समन्वय बनाए रखने और कंट्रोल रूम को नियमित रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए।

हमारी शक्ति, हमारा ग्रह: कंपोजिट स्कूल रामपुर मिश्र में गूँजा पृथ्वी संरक्षण का संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मोहम्मदी खीरी। जनपद के मोहम्मदी ब्लॉक स्थित कंपोजिट स्कूल रामपुर मिश्र में सोमवार को विश्व पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस वर्ष की निर्धारित थीम ह्लहमारी शक्ति, हमारा ग्रहङ्क के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक स्टाफ ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई भव्य जागरूकता रैली से हुआ। हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लिए बच्चों ने ह्लपृथ्वी बचाओ, जीवन बचाओङ्क और ह्लजब हरी-भरी पृथ्वी होगी, तभी स्वस्थ जिंदगी होगीङ्क जैसे नारों के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। रैली के उपरांत विद्यालय परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि सौर ऊर्जा को अपनाना तथा प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करना ही हमारी वास्तविक शक्ति है। इसी शक्ति के माध्यम से हम अपने ग्रह को सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाने के लिए विद्यालय में पोस्टर मेकिंग एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से पृथ्वी के संरक्षण का संदेश दिया। शिक्षिका चित्रा देवी ने विद्यार्थियों को पृथ्वी के बढ़ते तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) के खतरों के प्रति सचेत किया, वहीं शिक्षक कर्म सिंह ने सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

प्रतियोगिताओं का संचालन नेहा भारती, गिरिजा यादव एवं प्रीति गुप्ता के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बच्चों ने कागज पर पृथ्वी के सुंदर स्वरूप को उकेरते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता और संवेदनशीलता का परिचय दिया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं समस्त स्टाफ ने संयुक्त रूप से संदेश दिया कि पृथ्वी केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों की अमानत है। यदि हम आज अपनी सामूहिक शक्ति का उपयोग पर्यावरण संरक्षण में करेंगे, तभी भविष्य सुरक्षित और समृद्ध हो सकेगा इस सफल आयोजन में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

इंडो-नेपाल सीमा पर छह संदिग्ध गिरफ्तार, भारतीय-नेपाली मुद्रा बरामद

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और स्थानीय रुपईडीहा थाना पुलिस ने बुधवार को इंडो नेपाल की अतंरराष्ट्रीय सीमा से छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 16 लाख भारतीय और करीब 69 लाख नेपाली मुद्रा बरामद की गई। रुपईडीहा थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए संदिग्धों की पहचान नेपाल के प्रताप सिंह जायसवाल, राजेश प्रसाद सोनार, बहरइाच (उत्तर प्रदेश) के रुपईडीहा थाना क्षेत्र के निवासी राम गोपाल, दीपक कुमार निषाद, विजय कुमार अग्रवाल, और मोतीलाल के रूप में हुई है। ये लोग भारतीय मुद्रा लेकर नेपाली मुद्रा में परिवर्तित कर सीमा पार करने की फिराक में थे। हालांकि बरामद हुई धनराशि का आरोपित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके बाद सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि इतनी बड़ी रकम बरामद होने के बाद इसकी जानकारी उच्चधिकारियों को देने के साथ आयकर विभाग को भी सूचित किया गया है। मामले में एसएसबी, एलआईयू एवं आयकर विभाग की टीम आरोपितों से पूछताछ में जुटी है।

मोतीपुर कांड में वांछित हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गौतम गिरफ्तार, भेजा गया जेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मैलानी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए बांकेगंज क्षेत्र के चर्चित मोतीपुर कांड में वांछित अभियुक्त एवं हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गौतम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक खीरी एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी गोला के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना मैलानी पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 083/2026 व 82/2026 से संबंधित वांछित अभियुक्त वीरेंद्र पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम दुलारेपुर को 22 अप्रैल 2026 को गुलाव नगर मोड़, संसारपुर रोड से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न गंभीर धाराओं के अलावा आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम 1932, सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम तथा पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश कर दिया। गौरतलब है कि गिरफ्तार अभियुक्त थाना मैलानी का हिस्ट्रीशीटर (एचएस नंबर 170ए) है और उसके खिलाफ पूर्व में भी हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट व वन्य जीव संरक्षण अधिनियम जैसे गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संतोष तिवारी, उपनिरीक्षक अबलीश पवार, हेड कांस्टेबल कुलदीप कुमार, हेड कांस्टेबल श्याम कुमार वर्मा, कांस्टेबल करन वर्मा, कांस्टेबल शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पंचायत भवन में पंचायत सहायिका की फांसी के फंदे पर लटकी मिली लाश

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के वैदहा गांव में बुधवार दोपहर एक पंचायत सहायिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव पंचायत भवन के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान रीता देवी (27) के रूप में हुई है, जो वैदहा पंचायत भवन में पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत थीं। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस के अनुसार, महिला कुछ समय से तनाव में थी। हालांकि मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। रीता देवी जनवरी से अपने मायके में रह रही थीं। बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे उनका भाई उन्हें कुछ कागजात देने आया था, तब वह जीवित थीं। जब ढाई बजे तक वह घर नहीं लौटीं, तो उनकी मां ने बेटे शेषराम को भेजा। शेषराम ने कमरा खुला पाया और रीता को पंखे से लटका हुआ देखा।

गोला गोकर्णनाथ में डीजल-पेट्रोल संकट, किसानों की बढ़ी परेशानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। क्षेत्र में इन दिनों डीजल-पेट्रोल की किल्लत ने आम जनजीवन के साथ-साथ किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लखीमपुर रोड स्थित अग्रवाल पेट्रोल पम्प पर ईंधन की आपूर्ति ठप होने से वाहन चालकों को घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबिक, कई घंटों से पम्प पर डीजल और पेट्रोल उपलब्ध नहीं है। इसका असर केवल एक पम्प तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र के अन्य पेट्रोल पम्पों पर भी डीजल की कमी देखने को मिल रही है। अचानक आई इस कमी से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सबसे ज्यादा प्रभावित किसान हो रहे हैं। इस समय खेतों में सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए डीजल की मांग बढ़ी हुई है, लेकिन पर्याप्त डीजल न मिलने से खेती का काम प्रभावित हो रहा है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही स्थिति सामान्य नहीं हुई तो फसलों पर भी असर पड़ सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई किसान डीजल की तलाश में दूर-दराज के इलाकों तक जाने को मजबूर हैं, जिससे उनका समय और पैसा दोनों खर्च हो रहा है। वहीं, बढ़ती समस्या को लेकर किसानों और आम लोगों में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। पेट्रोल पम्प संचालकों का कहना है कि सप्लाई बाधित होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। उनका दावा है कि जैसे ही टैंकर पहुंचेगा, ईंधन की आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी उधर, क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि किसानों और आम जनता को राहत मिल सके।

होमगार्ड परीक्षा केन्द्रों का जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बुधवार को होमगार्ड परीक्षा के मद्देनजर महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय व ए0एस0 इंटर कालेज का जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम व सीसीटीवी की क्रियाशीलता व अन्य व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देश देते हुए कहा कि अपने अपने परीक्षा केंद्रों के कैमरों को चेक कर लें। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश देते हुए कहा कि पीने के पानी की पर्याप्त उपलब्धता, शौचालय व विद्यालय क्लास रूम की साफ-सफाई करा लें, परीक्षा केंद्र में रखी आलमारियों की नंबरिंग भी करा लें। परीक्षा सुचितापूर्ण व पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराएं। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने सुरक्षा व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाएं देखी और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व डॉध अविनाश त्रिपाठी अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय, उपजिलाधिकारी सदर अनामिका श्रीवास्तव, तहसीलदार सदर अमरेश कुमार सहित सम्बंधित उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप-मुख्य अभियन्ता/नि०-अयोध्या/उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर मोहर बन्द ई-निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1	**कार्य का नाम व स्थान:** उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर उप-मुख्य अभियन्ता/नि०-अयोध्या/के अधीन, आर.बी.एल-एम.बी.डी.पी. खंड पर एल.सी. संख्या 103/C (Km. 936.489), 128/C (Km. 969.097), 142/C (Km. 986.789) & 124/C (Km. 963.606) के स्थान पर आर.यू.बी का प्रावधान।	
2	**कार्य पूरा करने की अवधि**	12 (बारह) माह
3	**कार्य की अनुमानित लागत**	रू0 2427.47 लाख
4	**धरोहर राशि**	रू0 48,55,000.00
5	**ई निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख:** निविदाएँ दिनाँक 15.05.2026 को 15.00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनाँक 15.05.2026 को समय 15.00 बजे खोली जाएगी।	
6	**विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र:** विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 24.04.2026 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगे व दिनाँक 01.05.2026 से 15.05.2026 तक ई-निविदा अपलोड की जा सकती है।	

संख्या:-256-टेण्डर/उप-मुख्य अभियंता/नि०-अयोध्या/लखनऊ दिनांक 22.04.2026 1339/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नारी स्वाभिमान की ज्वाला सड़कों पर उतरी चेतना, गूंजा प्रतिरोध का स्वर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जब संवेदनाओं की सीमा टूटती है, तब इतिहास सड़कों पर लिखा जाता है। आर्य कन्या चौराहे पर ऐसा ही एक दृश्य उभरा, जहाँ महिलाओं और युवतियों का जनसैलाब केवल विरोध नहीं, बल्कि नारी अस्मिता की प्रखर अभिव्यक्ति बनकर सामने आया। हर चेहरा संकल्प से भरा था और हर आवाज अपने अधिकारों की गूंज बन चुकी थी। प्रदर्शन के मध्य, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी का पुतला अग्नि को समर्पित किया गया, तब वह केवल एक प्रतीक नहीं था - वह उन भावनाओं का विस्फोट था, जो लंबे समय से भीतर सुलग रही थीं। उठती लपटों के साथ महिलाओं का आक्रोश भी आकाश छूने लगा और नारेबाजी ने पूरे वातावरण को आंदोलित कर दिया। यह महज़ कुछ नारों की प्रतिध्वनि नहीं थी, बल्कि वह चेतना थी जो नारी के आत्मसम्मान के लिए जाग उठी थी। कदमों की आहट में दृढ़ता थी, आंखों में आत्मविश्वास और दिलों में एक ही संकल्प–नारी सम्मान से कोई समझौता नहीं मंजू लता श्रीवास्तव, पारुल गुप्ता, अनीता निगम, कीर्ति गुप्ता, संतोष कुमारी सिंह, उमा राज, सीमा वर्मा, संगीता पुरी सहित अनेकों महिलाएं और छात्राएं इस आंदोलन की धुरी बनीं। यह केवल उपस्थिति नहीं थी, बल्कि एकजुटता की वह तस्वीर थी, जो समाज को दिशा देने का सामर्थ्य रखती है।

कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने स्पष्ट किया कि यह विरोध एक दिन की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाला जागरण है। यह संघर्ष नहीं, बल्कि एक नए सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत है–जहाँ नारी की गरिमा सर्वोपरि होगी।

गोरखपुर में फर्जी दस्तावेजों से जमीन की दोहरी बिक्री करने वाला शातिर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर में जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी के एक सनसनीखेज मामले का पर्दाफाश करते हुए गीडा पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लोगों को ठगने वाले शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपित ने पहले अपनी जमीन को वैध रूप से बेच दिया था, लेकिन लालच में आकर उसने उसी जमीन के फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दोबारा एक महिला को बेच दिया। जब पीड़िता को इस धोखाधड़ी का पता चला तो उसने तत्काल थाना गीडा में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला पंजीकृत कर गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान साक्ष्यों को खंगालते हुए पुलिस टीम ने आरोपित अभय कुमार पाण्डेय उर्फ अभिनव पाण्डेय पुत्र लक्ष्मी शंकर पाण्डेय, निवासी बड़गहन, थाना गीडा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ थाना गीडा में मु0अ0सं0-120/26 एवं 167/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप-मुख्य अभियंता/नि.- अयोध्या/उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफार्मा पर मोहर बन्द ई-निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1.	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर उप-मुख्य अभियंता/नि.-अयोध्या/के अधीन, रायबरेली-उतरैटिया खंड पर एल.सी. संख्या 114/C (Km 950.364), 115/C (Km 951.301) & 120/C (Km 957.759) के स्थान पर आर.यू.बी. का प्रावधान।
2.	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3.	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 1806.06 लाख
4.	धरोहर राशि	रु. 36,12,100.00
5.	ई-निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनांक 15.05.2026 को 15.00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनांक 15.05.2026 को समय 15.00 बजे खोली जाएगी।
6.	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनांक 24.04.2026 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगे व दिनांक 01.05.2026 से 15.05.2026 तक ई-निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या: 257-टेंडर/उप-मुख्य अभियंता/नि.-अयोध्या/लखनऊ दिनांक 22.04.2026 1340/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

निरंतरता बनाए रखने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे मुंबई और चेन्नई

एजेंसी

मुंबई। अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम गुरुवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आमने-सामने होंगी तो वे अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी पर नजर रखकर अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी। रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए वानखेड़े स्टेडियम

में मैदान पर उतरेगा। रोहित ने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया लेकिन वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं खेलने वाले धोनी ने जमकर अभ्यास किया। इससे उनकी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वापसी की संभावना बन गई है। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिताब जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं। सीएसके ने प्रत्येक टीम की तरह टूर्नामेंट की शुरुआत फॉर्म और सही संयोजन की तलाश में की लेकिन जैसे ही वे लय में आने लगे, उसके युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए जो सीएसके के लिए बड़ा झटका है।

इससे सीएसके को बल्लेबाजी में नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। गुजरात के विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल को म्हात्रे की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है।सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली हार के बाद सीएसके अपने सभी बल्लेबाजों से अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

सरफराज खान ने अब तक 147 रन बनाए हैं लेकिन वह अभी तक अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं, विशेषकर तब जबकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने सिर्फ 82 रन बनाकर निराशाजनक प्रदर्शन किया है। इसी तरह संजू सैमसन (192 रन) पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। उन्होंने इसी मैदान पर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था।

एएम ग्रीन आईजीपीएल: शौर्य बिनू शीर्ष पर, चार खिलाड़ी कड़ी टक्कर में; अत्रि मुंबई टीम प्रतियोगिता में आगे

एजेंसी

लुबुंबाशी (कंगो)। एएम ग्रीन इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) कंगो इनविटेशनल में भारतीय गोल्फर शौर्य बिनू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो राउंड के बाद बढ़त हासिल कर ली है। 22 वर्ष के होने वाले बिनू ने दूसरे राउंड में 9-अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाया, जो इस सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ कार्ड रहा। पहले राउंड में 1-अंडर 72 खेलने वाले बिनू अब कुल 10-अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं और निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से दो शॉट आगे हैं। बिनू के पीछे चार खिलाड़ी 8-अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इनमें मन्नत बरार (67-71), तुषार पन्नू (67-71), उदयन माने (70-68) और आर्यन रूपा आनंद (71-67) शामिल हैं। बिनू ने चौथे होल पर पहला बर्डी

लगाया और फिर छठे से लगातार तीन बर्डी के साथ नौवें होल पर ईगल लगाकर शानदार बढ़त बनाई। टर्न तक वह 6-अंडर पर पहुंच चुके थे। बैक-नाइन में स्थिर खेल दिखाते हुए उन्होंने अंतिम चार होल में तीन बर्डी लगाकर अपना स्कोर 9-अंडर तक पहुंचाया।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

उदयन माने ने 5-अंडर का राउंड खेलकर मजबूत वापसी की और बैक-टू-बैक जीत की उम्मीद बनाए रखी। वहीं, तुषार पन्नू ने 2-अंडर 71 का स्कोर बनाया, हालांकि कुछ बोगी के कारण वह और बेहतर नहीं कर सके। आर्यन रूपा आनंद ने 6-अंडर 67 का शानदार कार्ड खेलकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए। मन्नत बरार भी खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं और वह मिश्रित प्रो इवेंट जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला बनने का लक्ष्य रखती हैं। अमन राज 6-अंडर के साथ छठे स्थान पर हैं, जबकि वरुण चोपड़ा, हरेंद्र गुप्ता और रणजीत सिंह 5-अंडर के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं।

टीम प्रतियोगिता में अत्रि मुंबई आगे

टीम स्पर्धा में अत्रि मुंबई 17-अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर है और दूसरे स्थान पर मौजूद होनर गुरुग्राम से छह शॉट आगे है। तीसरे स्थान पर औरो रियल्टी गोवा की टीम 8-अंडर के स्कोर के साथ बनी हुई है। बिनू के शानदार फॉर्म के बावजूद उनके पीछे चल रहे चार खिलाड़ी खिताब के लिए कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अभिषेक शर्मा शतक को आसान बना देते हैं : पुजारा

हैदराबाद। भारत के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए उन्हें एक खास प्रतिभा बताया है। सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज के आईपीएल मैच में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाकर अपनी टीम को आसान जीत दिलाने के बाद पुजारा ने उनकी तारीफ की। अभिषेक ने तूफानी पारी खेलते हुए 68 गेंद में नाबाद 135 रन बनाए जिससे सनराइजर्स ने दो विकेट पर 242 रन बनाए और फिर 47 रन से जीत दर्ज की। पुजारा ने कहा, ''अभिषेक शर्मा ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक (इस सत्र का पहला) बनाया। वह शतक बनाना बहुत आसान कर देते हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''उनके रन सनराइजर्स के लिए बहुत अहम होते हैं क्योंकि अक्सर उन्हीं की वजह से टीम जीतती है। वह एक खास प्रतिभा हैं। जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं तो उनका स्तर हर किसी को साफ दिखाई देता है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा जैसी प्रतिभा और स्तर होता है।'' दुनिया के नंबर एक टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज अभिषेक मंगलवार को पूरी लय में थे। उन्होंने इस एकतरफा मुकाबले में 10 छक्के और उतने ही चौके जड़े। अभिषेक का भाग्य ने भी साथ दिया जब 50 रन के निजी स्कोर पर विकेट के पीछे लोकेश राहुल ने उन्हें 'जीवनदान' दिया। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह के लिए यही मैच का 'टर्निंग प्वाइंट' (मैच का रुख बदलने वाला लम्हा) था। हरभजन ने कहा, ''वह छूटा हुआ रन आउट मैच का सबसे अहम पल था। अगर अभिषेक शर्मा आउट हो गए होते तो मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था।'' हरभजन ने भारतीय गेंदबाजों को चेतावनी दी कि वे अपनी 'लाइन और लेंथ' को और बेहतर करें और अनुशासन बनाए रखें जिससे कि अधिक स्कोर वाले मुकाबलों में बल्लेबाज उनके खिलाफ अधिक रन नहीं बना पाएं।

कमिंस की वापसी के बाद भी किशन ही करें सनराइजर्स की कप्तानी: बांगड़

हैदराबाद। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा कि पैट कमिंस की चोट से उबरकर वापसी करने के बाद भी ईशान किशन को ही सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करनी चाहिए। कमिंस अपनी पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे और उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र के शुरुआती मैचों से भी बाहर रहना पड़ा था। वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को जयपुर में होने वाले मैच में वापसी कर सकते हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच बांगड़ ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ''एक कप्तान के तौर पर ईशान किशन ने दिखाया कि वह अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में रणनीतिक रूप से बहुत कुशल हैं। उन्हें पता है कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। इससे स्पष्ट होता है वह खेल की कितनी अच्छी समझ रखते हैं। वह दबाव में नहीं आते, जल्दबाजी नहीं करते और मैदान पर सही फैसले ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने अपने स्पिनरों का इस्तेमाल किया, वह प्रभावशाली था। इसलिए मेरा मानना ??है कि भले ही पैट कमिंस वापसी कर लें, ईशान किशन को ही सनराइजर्स की कप्तानी करनी चाहिए।'' बांगड़ ने कहा, ''अमूमन देखा गया है कि भारतीय कप्तान होने से टीम को स्थिरता मिलती है। पैट कमिंस जैसे काबिल गेंदबाज की हाल की चोटों को देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि वह आईपीएल के बाकी मैचों में कितने फिट रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि किशन को ही कप्तान बनाए रखना सनराइजर्स के सर्वोत्तम हित में होगा। बांगड़ ने कहा, ''ईशान को कप्तान बनाए रखने से खिलाड़ियों को भी अपले प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुझे लगता है कि हैदराबाद के लिए यही सही होगा।'' इस बीच किशन ने कहा कि उनकी सफलता का राज असफलता के भय पर काबू पाना, आगे बढ़ते रहना और मैचों के बीच टीम को नए सिरे से आगे के लिए तैयार करना है।

निर्यातक शुल्क वापसी में हिस्सेदारी के लिए अमेरिकी खरीदारों से बातचीत करें: फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों का शीर्ष निकाय फियो ने अपने सदस्यों को अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत करने की सलाह दी है ताकि वे शुल्क वापसी में हिस्सेदारी हासिल कर सकें। अमेरिका ने 20 अप्रैल से जवाबी शुल्क की वापसी की प्रक्रिया शुरू की है। भारतीय निर्यातक संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने मंगलवार को कहा कि इन शुल्क वापसी पर भारतीय निर्यातकों का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, क्योंकि यह केवल अमेरिकी कंपनियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा, '' लेकिन यदि किसी भारतीय निर्यातक के अपने अमेरिकी खरीदार से अच्छे संबंध हैं, तो उसे कुछ हिस्सा मिल सकता है।'' चमड़ा क्षेत्र के एक उद्योग अधिकारी ने कहा कि व्यवसाय इस मुद्दे पर अमेरिकी आयातकों के साथ चर्चा करेंगे। एक चमड़ा निर्यातक ने कहा, '' हम इस बारे में अपने खरीदारों से बात कर रहे हैं।'' जवाबी शुल्क व्यवस्था दो अप्रैल 2025 को 10 प्रतिशत से शुरू हुई थी जिसे लगातार तेजी से बढ़ाया गया। भारत के लिए दरें सात अगस्त 2025 तक 25 प्रतिशत और 28 अगस्त तक 50 प्रतिशत तक पहुंच गईं और फरवरी 2026 की शुरुआत तक इसी स्तर पर बनी रहीं। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने 20 फरवरी को दिए फैसले में ट्रंप के शुल्क के पूरे ढांचे को अमान्य कर दिया, जिससे ये शुल्क कानूनी रूप से शून्य हो गए और इसकी वापसी की प्रक्रिया शुरू हुई। भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा इन उच्च शुल्कों से प्रभावित हुआ है। शोध संस्थान जीटीआरआई के अनुसार, कुल शुल्क वापसी की राशि करीब 166 अरब डॉलर है, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं।

टेनिस जगत में धूम मचाने को तैयार है स्पेन का एक और 'राफा'

एजेंसी

मैड्रिड। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ की उम्र केवल 22 वर्ष है, लेकिन उनके देश स्पेन में प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी के बारे में पहले से ही चर्चा हो रही है। इनमें से सबसे चर्चित नाम उस खिलाड़ी का है जिनका पहला नाम सर्वकालिक महान खिलाड़ी राफ़ेल नडाल के समान है। यह खिलाड़ी है 19 वर्षीय राफ़ेल होदार, जो रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाने से स्पेन और पूरे टेनिस जगत में सुर्खियां बटोर रहे हैं।

होदार को नडाल की तरह 'राफा' उपनाम से भी जाना जाता है। वह मैड्रिड ओपन में अपने पदार्पण से ठीक पहले शीर्ष 50 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। एक और होनहार खिलाड़ी 20 वर्षीय मार्टिन लैंडालुस हैं, जिन्होंने हाल में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई है। अल्काराज़ के कलाई में चोट के

कारण नाम वापस लेने के बाद मैड्रिड ओपन में यह दोनों दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक होंगे।

अल्काराज इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह स्पेन में टेनिस को नए मुकाम तक पहुंचाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, ''ये दोनों एक-दूसरे की मदद से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पर पहुंचेंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है।''

होदार एक साल पहले तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष 600 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे। मार्च में उन्होंने शीर्ष 100 में प्रवेश किया और सोमवार को जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सैफ महिला चैंपियनशिप में मेजबान भारत ग्रुप बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ

एजेंसी

नई दिल्ली। सैफ महिला चैंपियनशिप के आधिकारिक ड्रॉ में मेज़बान भारत को ग्रुप बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ रखा गया है। ड्रॉ का आयोजन बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित सैफ सचिवालय में किया गया। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून तक गोवा के मडगांव में आयोजित होगा और सभी मुकाबले पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान को रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में भारत, बांग्लादेश और मालदीव शामिल हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। टूर्नामेंट की सीडिंग 21 अप्रैल को जारी फीफा महिला विश्व रैंकिंग के आधार पर की गई, जिसमें भारत (69) और नेपाल (87) को शीर्ष वरीयता दी गई। बांग्लादेश (112) और श्रीलंका (162) को दूसरे पॉट में रखा गया, जबकि भूटान (164) और मालदीव

(167) तीसरे पॉट में शामिल रहे। भारत इस प्रतियोगिता का सबसे सफल देश है, जिसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में कुल पांच बार खिताब जीता है। हालांकि, पिछले दो संस्करणों में बांग्लादेश ने खिताब जीतकर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। यह दूसरा अवसर होगा जब भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2016 में सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में भारतीय टीम चैंपियन बनी थी।

गोवा भी दूसरी बार किसी सैफ टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इससे पहले 1999 में पुरुष सैफ चैंपियनशिप का आयोजन यहीं हुआ था, जिसमें भारत ने बांग्लादेश को हराकर खिताब जीता था। संतुलित ग्रुप और प्रतिस्पर्धी टीमों की मौजूदगी को देखते हुए इस बार का टूर्नामेंट

कोपा इटालिया: इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़कर कोमो को 3-2 से हराया, फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

मिलान। इटली की प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिता कोपा इटालिया में इंटर मिलान ने शानदार वापसी करते हुए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में कोमो को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहला चरण गोलरहित रहने के बाद खेले गए इस मुकाबले में इंटर ने दो गोल से पिछड़ने के बावजूद जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में खुद को मजबूत बनाए रखा है। कोमो के लिए मार्टिन बाटुरीना और कप्तान लुकास दा कुन्हा ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

इसके बाद इंटर मिलान की ओर से हाकान चाल्हानोग्लू ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहले जोरदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर टीम की वापसी कराई और फिर 86वें मिनट में हेडर के जरिए बराबरी दिलाई।मैच के 89वें मिनट में

पेटार सुचिच ने चाल्हानोग्लू के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए विजयी गोल दागा। इंटर मिलान अब फाइनल में पहुंच गया है, जो 13 मई को खेला जाएगा। दूसरी सेमीफाइनल में अटलांटा और लाजियो के बीच मुकाबला होना है, जहां पहला चरण 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इंटर मिलान इस समय इटली की शीर्ष लीग सीरी ए में भी शीर्ष पर चल रहा है और इस सप्ताहांत खिताब अपने नाम कर सकता है। गौरतलब है कि इंटर ने आखिरी बार 2010 में कोच जोसे मोरिन्हो के नेतृत्व में लीग, कप और चैंपियंस लीग जीतकर ट्रेबल हासिल किया था। इंटर मिलान ने इससे पहले 2023 में अपना आखिरी कोपा इटालिया खिताब जीता था और अब टीम एक बार फिर इतिहास दोहराने के करीब पहुंच गई है।

टेक महिंद्रा का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 1,353.8 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 1,353.8 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 1,166.7 करोड़ रुपये रहा था। टेक महिंद्रा ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 12.6 प्रतिशत बढ़कर 15,076.1 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 13,384 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर लाभ एवं राजस्व में क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में टेक महिंद्रा का लाभ 13.15 प्रतिशत बढ़कर 4,810.9 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 4,251.5 करोड़ रुपये था। परिचालन आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 56,815.4 करोड़ रुपये हो गई। टेक महिंद्रा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक मोहित जोशी ने कहा, '' हम एआई-आधारित संगठन बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

कांडला संयंत्र से जापान की इटोचू को हर साल तीन लाख टन हरित अमोनिया की आपूर्ति करेगी एलएंडटी

एजेंसी

नई दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने जापान की इटोचू कॉरपोरेशन के साथ कांडला (गुजरात) में प्रस्तावित संयंत्र से हर साल तीन लाख टन हरित अमोनिया की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक समझौता किया है। कंपनी ने बुधवार को बीएसई को दी सूचना में बताया कि यह समझौता एलएंडटी की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एलएंडटी एनर्जी ग्रीनटेक लिमिटेड (एलटीईजीएल) द्वारा किया गया है।

इटोचू वस्त्र, मशीनरी, धातु, खनिज, ऊर्जा, रसायन, खाद्य एवं सामान्य उत्पादों सहित विभिन्न वस्तुओं के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आयात-निर्यात में सक्रिय है। कांडला से होने वाली आपूर्ति इटोचू

के सिंगापुर और अन्य स्थानों पर 'बंकरिंग' संचालन को समर्थन देगी। यह समझौता एलटीईजीएल की हरित हाइड्रोजन और उससे जुड़े उत्पादों के कारोबार को विस्तार देने की रणनीति को भी मजबूत करता है। समझौता दोनों कंपनियों के बीच पिछले वर्ष हुए संयुक्त विकास समझौते (जेडीए) पर आधारित है।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के जल्द खत्म होने की उम्मीद को झटका लगने की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट का शिकार हो गया। इस तरह लगातार तीन कारोबारी दिन तक मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने आज कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद मामूली खरीदारी भी हुई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ता चला गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी भी बढ़ती गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.95 प्रतिशत और निफ्टी 0.81

बाजार की कमजोरी के बावजूद 69 हजार करोड़ के फायदे में रहे निवेशक

प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, टेक, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। जोरदार बिकवाली के कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स इंट्रा-डे में पांच प्रतिशत तक फिसल गया। हालांकि, बाद में आईटी इंडेक्स 3.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल

रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स 1.13 प्रतिशत की उछाल के साथ बंद होने में सफल रहा।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 469.36 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.67 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 69 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,422 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,440 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,838 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 144 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,953 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,727 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,226 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 253.99 अंक की कमजोरी के साथ 79,019.34 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरुआत होते ही यह सूचकांक उछल कर 79,031.03 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ने लगी। सुबह 10:30 बजे के बाद एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। हालांकि, यह सुधार अधिक देर तक टिक नहीं सका। बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 756.84 अंक टूट कर 78,516.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जौनपुर में मौसम बदलते ही बढ़ीं बीमारियां जिला अस्पताल की ओपीडी में उमड़ी भीड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मौसम के तेजी से बदलते मिजाज के साथ ही मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। तेज धूप और गर्मी के कारण डायरिया, उल्टी-दस्त, बुखार और अन्य संक्रमण तेजी से फैल रहे हैं, जिससे मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इसका सीधा असर अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला अस्पताल की ओपीडी पर देखा जा रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। पर्चा बनवाने के लिए लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। इस मामले में बुधवार को जानकारी लेने पर अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. अशोक कुमार यादव ने बताया कि अचानक मौसम परिवर्तन और खानपान में लापरवाही के कारण मौसमी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। उन्होंने बताया कि इन दिनों पेट में संक्रमण, डायरिया, हीट स्ट्रोक, सिर दर्द, घबराहट, बेचैनी, गला सूखना, तेज बुखार और दिमागी बुखार जैसी समस्याओं के मरीज अधिक संख्या में अस्पताल आ रहे हैं। सभी मरीजों का समुचित उपचार किया जा रहा है।डॉ. यादव ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में तला-भुना और मसालेदार भोजन कम करें तथा अधिक से अधिक तरल पदार्थों का सेवन करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। इसके अलावा तेज धूप में निकलते समय सिर को गमछे या हेलमेट से ढककर रखें, जिससे लू से बचाव किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि शादी-विवाह के इस मौसम में लोग अधिक तेल-मसाले वाले भोजन का सेवन कर रहे हैं, जिससे पेट संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, इसलिए इस पर नियंत्रण जरूरी है।वहीं, चीफ फार्मासिस्ट आशुतोष पाठक ने बताया कि जिला अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 1500 मरीजों का पंजीकरण हो रहा है, जिनमें ज्यादातर डायरिया, उल्टी-दस्त और बुखार के मरीज शामिल हैं। इमरजेंसी में भी मरीजों का तत्काल उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता है और सभी मरीजों को आवश्यक उपचार मुहैया कराया जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी लक्षण के दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।

रात में फसल तौलाने के मामले में फंसे सहकारी संघ जैतपुर केंद्र प्रभारी,निलंबन की संस्तुति

- किसानों ने सरकारी खरीद केंद्र पर रात में तौल कराने की फोटो उच्चाधिकारियों को भेजी थी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में रात के अंधेरे में चहेते किसानों की तौल करने के मामले में केंद्र प्रभारी पर शिकंजा कसता जा रहा है। किसानों ने सरकारी खरीद केंद्र पर रात में तौल कराने की फोटो उच्चाधिकारियों को भेजी थी। साथ ही शासन के जनसुनवाई पोर्टल पर भी मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच और किसानों के बयान दर्ज किए गए, जिसमें आरोप सही पाए गए। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर जैतपुर सहकारी संघ के केंद्र प्रभारी के निलंबन की संस्तुति की गई है।

सहकारी संघ जैतपुर में किसानों के साथ पक्षपात की शिकायत पिछले दिनों दर्ज कराई गई थी। किसान जगदीश राजपूत ने रात में चहेते किसानों की तौल कराने का आरोप लगाया था।

मामले में सहायक निबंधक सहकारिता अर्जेंद्र कुमार ने बुधवार को बताया कि जैतपुर कस्बा के किसानों ने सरकारी गेहूं खरीद केंद्र में रात में तौल कराने की उच्चाधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई गई थी। साथ ही जन सुनवाई पोर्टल पर भी इसकी शिकायत की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए उसकी जांच कराई गई है। जांच में सामने आया कि रात में जो तौल हो रही थी वह गेहूं व्यापारियों का नहीं था, बल्कि किसानों का था। नियम शाम को साढ़े छह बजे तक खरीद करने का है, लेकिन वह देर रात तक खरीद कर रहे थे। इस पर निलंबन की संस्तुति की गई है। वहीं केंद्र प्रभारी राजकिशोर ने बताया कि किसानों की अधिक भीड़ एकत्र थी और वह तौल कराने पर अड़े थे। लड़ने पर आमादा थे तो तौल करानी पड़ी।

सड़क जाम करने पर 10 नामजद और 100 अज्ञात पर केस दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में भटनी थाना क्षेत्र में 20 अप्रैल को हुए सड़क जाम और हंगामे के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। चांदपार अंडरपास मार्ग पर सुबह करीब 8:30 बजे रामपुर खुरहुरिया निवासी सूरज राजभर के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया गया था, जिससे देवरिया-भटनी मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया।प्रदर्शनकारियों के इस कदम से सड़क पर लंबा जाम लग गया। एम्बुलेंस, स्कूल बस और अन्य जरूरी वाहन भी फंस गए, जिससे आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालात को देखते हुए पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने बुधवारको 10 नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों समेत कुल 110 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ सड़क जाम करने, शांति भंग करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसी गंभीर धाराओं में कार्रवाई की गई है।

थानेदार मृत्युंजय राय का कहना है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर मथुरा में भाजपा का प्रदर्शन, कांग्रेस का पुतला दहन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी की मथुरा महानगर इकाई ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव के नेतृत्व में महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कंकाली रोड स्थित बीएसए कॉलेज के मुख्य द्वार पर एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। भाजपा महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष पूजा चौधरी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास महिलाओं के सशक्तीकरण के विरोध से जुड़ा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर की है।महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान था लेकिन विपक्ष ने सुनियोजित रणनीति के तहत इसे पारित नहीं होने दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि देश की महिलाएं इसका उचित जवाब देंगी और नारी शक्ति को कमतर आंकने की राजनीति अब सफल नहीं होगी।

भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष यज्ञ दत्त कौशिक ने कहा कि अधिनियम का विरोध कर विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह महिलाओं को उनका अधिकार देने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सदैव महिला सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

यमुना एक्सप्रेसवे के महिला हत्याकांड का खुलासा, मुठभेड़ में दो आरोपित घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा । उत्तर प्रदेश के जनपद मथुरा के थाना बलदेव पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए सनसनीखेज महिला हत्याकांड का खुलासा करते हुए बुधवार को दो आरोपितों को पुलिस मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपितों के कब्जे से अवैध असलाह, कारतूस, हत्या में प्रयुक्त कार और अन्य सामान बरामद किया गया है।

बुधवार सुबह सीओ महावन श्वेता वर्मा ने बताया कि 13 अप्रैल 2026 को यमुना एक्सप्रेस वे के माइलस्टोन 130.8 (नोएडा से आगरा की ओर) पर करीब 26 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिला था। जांच में मृतका की पहचान निकिता चन्द निवासी देवरिया के रूप में हुई थी, जिसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। इस संबंध में थाना बलदेव में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत थी। 21 अप्रैल की रात करीब 10:09 बजे छौली पुलिया पर चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या में शामिल आरोपित औरा (हौण्डई) कार से आ रहे हैं। पुलिस ने वाहन रोकने का प्रयास किया तो कार सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिए गए।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने अपने नाम ब्रजेश कुमार निवासी औरैया तथा विकास निवासी इटावा बताए हैं। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 तमंचे (.315 बोर), 4 खोखा कारतूस, 4 जिंदा कारतूस, हत्या में प्रयुक्त कार, एक पाना, एक पेचकस तथा मृतका का आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड और लाल पर्स बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चन्द रावत ने बताया आरोपितों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

सल्फास की गोली लाया हूं, या तो तू खा ले, या मैं खा लूं... मामा के डर से भांजी ने दी जान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महोबा। यूपी के महोबा जनपद में रिश्ते के मामा और परिजन ने भांजी पर जबरन शादी का दबाव बनाया और मोबाइल पर मैसेज भेजकर उसे परेशान किया गया। जिनके भय से युवती ने सल्फास खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। मां की तहरीर पर पुलिस ने युवती के सगे मामा समेत चार आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू की है। जिले की सीमा से सटे हमीरपुर जनपद के राठ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री बचपन से ही अपने ननिहाल महोबा के पनवाड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में रह रही थी। जहां रिश्ते का मामा उसको बहला फुसलाकर भगा ले जाने का दबाव बनाने लगा और उसे मैसेज भेजकर परेशान करता था। इसके बाद वह पुत्री के पास पहुंचा और कहा कि मैं सल्फास की गोलियां लाया हूं... या तो तू खाले या फिर मैं खा लूं। नहीं तो मुझसे शादी कर लो।

बताया कि पुत्री ने विरोध किया तो उसने सार्वजनिक रूप से बदनाम करने की धमकी दी। जिसकी जानकारी युवती ने रिश्ते के मामा के परिजनों को दी। लेकिन मामा के साथ ही उसके परिवार के लोग भी उस पर जबरन शादी के लिए दबाव बना रहे थे। इसकी जानकारी युवती ने 16 मार्च को अपनी मां को दी। उसने कहा कि अब वह उसके साथ रहेगी और ननिहाल में नहीं रहना। मां ने तहरीर में बताया कि मामा के भय के कारण बेटी ने 17 मार्च की देर रात सल्फास खा लिया , जिसकी उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। महिला के अनुसार इस घटना में उसका सगा भाई भी शामिल है। मां ने तहरीर थाना पनवाड़ी में दी।

जौनपुर में समाजवादी मजदूर सभा का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को समाजवादी मजदूर सभा के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपकर नोएडा में चल रहे श्रमिक आंदोलन पर कथित दमन रोकने और कानून का राज स्थापित करने की मांग उठाई। कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने किया।

ज्ञापन में कहा गया कि शासन-प्रशासन और औद्योगिक प्रबंधन की नीतियों के कारण श्रमिकों का शोषण बढ़ता जा रहा है, जिससे नोएडा में स्वतःस्फूर्त श्रमिक आंदोलन शुरू हुआ। इसके बाद सरकार ने मजदूरों के वेतन में आंशिक वृद्धि का निर्णय लिया, जिसकी अधिसूचना राज्यपाल के हस्ताक्षर से जारी की जा चुकी है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका समुचित लाभ श्रमिकों को नहीं मिल रहा है।

अमित यादव ने कहा कि पिछले दो दशकों से बड़े पूंजी घरानों के हित में श्रमिकों की स्थिति लगातार खराब होती गई है। श्रमिकों से कम मजदूरी पर स्थायी प्रकृति के कार्य गैर-कानूनी ढंग से कराए जा रहे हैं। साथ ही, लंबे संघर्ष के बाद हासिल 8 घंटे कार्य दिवस की व्यवस्था को समाप्त कर कई स्थानों पर 12 घंटे तक काम कराया जा रहा है और साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जा रहा।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि वर्तमान महंगाई के दौर में श्रमिकों की आय उनके परिवार के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त नहीं है। संगठन ने नए श्रम संहिताओं (लेबर कोड) पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इनके जरिए श्रमिकों के पूर्व में प्राप्त अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। 'फ्लोर लेवल वेज' लागू कर न्यूनतम मजदूरी के अधिकार को प्रभावित किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल से मांग की, कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए और नोएडा आंदोलन में हो रहे कथित दमन को तत्काल रोका जाए। इस दौरान अजय यादव, प्रदीप यादव, अखिलेश यादव, रमाशंकर चौहान, धीरज बिंद सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोरखपुर को ईको पार्क सहित 470 विकास परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार (23 अप्रैल) को गोरखपुर को ईको पार्क सहित 470 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। करीब 1054 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इनमें ईको पार्क के सामने सड़क सहित 173 विकास कार्यों का लोकार्पण और सीएम ग्रिड के तहत छह स्मार्ट सडकों समेत 297 कार्यों का शिलान्यास शामिल है।

लोकार्पण और शिलान्यास के लिए समारोह का आयोजन एकला बांध पर विकसित और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों जनता को समर्पित होने जा रहे ईको पार्क में होगा। यह पार्क जहां बनाया गया है, वहां कभी कूड़े का पहाड़ हुआ करता था। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने बथाया कि नगर निगम ने 2.26 लाख मीट्रिक टन लिगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक विधि से निस्तारण करने के बाद कूड़ा मुक्त हुई 40 एकड़ भूमि को ईको पार्क के रूप में विकसित किया गया है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अंतर्गत ईको पार्क बनाने में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत आई है। उन्होंने बताया कि ईको पार्क में वाकिंग ट्रैक और फुटपाथ बनाए गए हैं, जहां लोग सुबह और शाम सैर कर सकेंगे। योग और ध्यान के लिए अलग स्थान हैं। बच्चों के लिए भी सुरक्षित किड्स जोन का विकास किया गया है। मुख्यमंत्री, गुरुवार को ही एकला बंधा पर 8.35 करोड़ रुपये की लागत से कराए गए सड़क चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य, राजघाट पुल से कारकस प्लांट तक 7.71 करोड़ रुपये से कराए गए सड़क सुधार कार्य का भी लोकार्पण करेंगे। 304.68 करोड़ रुपये की लागत से लोकार्पित होने वाले 173 कार्यों में विभिन्न वार्डों में सड़क व नाली निर्माण के 87 कार्य (लागत 95.77 करोड़ रुपये), जल निकासी के लिए नाला निर्माण के 83 कार्य (लागतन 129.85 करोड़ रुपये) तथा 58 करोड़ रुपये के महापौर/पार्षद वरीयता कार्य शामिल हैं।

समारोह स्थल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सीएम ग्रिड (चीफ मिनिस्टर ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) योजना के तहत स्मार्ट सड़कों के विस्तार को भी गतिमान करेंगे। वह सीएम ग्रिड के तहत स्मार्ट बनने जा रही छह सड़कों से जुड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। सीएम ग्रिड तृतीय चरण में 45.68 करोड़ रुपये से गणेश चौक से विश्वविद्यालय चौक एवं अलंकार ज्वेलर्स से एचपी स्कूल, डीएम आवास होते हुए हरिओम नगर तिराहा तक, 23.43 करोड़ रुपये से स्पोर्ट्स कॉलेज रोड से जायसवाल मार्ट होते हुए पुलिया तक तथा 21.60 करोड़ रुपये से कचहरी चौक से शास्त्री चौक होते हुए बेतियाहाता चौक सड़क को स्मार्ट बनाया जाएगा। जबकि तृतीय अनुपूरक चरण में 63.94 करोड़ रुपये की लागत से बेतियाहाता चौक से अलहदादपुर तिराहा, टीडीएम तिराहा से टीपीनगर तक एवं रैन बसेरा रोड से एनएच 28 तक, 62.94 करोड़ रुपये से टीडीएम तिराहा से पांडेय हाता पुलिस चौकी होते हुए बर्फखाना रोड से हाबर्ट बंधा तक और 25.45 करोड़ रुपये से अलहदादपुर तिराहा से रायगंज होते हुए घंटाघर तक सड़क का कायाकल्प किया जाएगा।

शिलान्यास की अन्य प्रमुख परियोजनाएं

उपवन योजना के तहत तीन पार्कों का सौंदर्यीकरण, लागत 6.44 करोड़ रुपये।

विभिन्न वार्डों में जलनिकासी के लिए नाला निर्माण के 83 कार्य, लागत 107.44 करोड़ रुपये।

गुलरिहा थाने से चिलुआताल तक आरसीसी स्टॉर्म वाटर ड्रेन निर्माण, लागत 123.81 करोड़ रुपये।

विभिन्न वार्डों में ग्रीन बेल्ट एवं मिनी फॉरेस्टेशन के कार्य, लागत 35.01 करोड़ रुपये।

स्वच्छ स्कूल अभियान का शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री

ईको पार्क एवं फोरलेन सड़क के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वच्छ स्कूल अभियान का भी शुभारंभ करेंगे। यह अभियान, स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत सिटी लीडरशिप का विशेष कार्यक्रम है। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव का कहना है कि स्वच्छ स्कूल अभियान केवल स्वच्छता का कार्यक्रम मात्र नहीं है बल्कि यह आने वाली पीढ़ी को जिम्मेदार नागरिक बनाने का भी माध्यम है। स्वच्छ स्कूल अभियान के जरिये स्थायी व्यवहार परिवर्तन के उद्देश्य से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता एवं सफाई, रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल, मासिक धर्म स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे विषयों पर जागरूकता बढ़ाई जाएगी। इस अभियान में विद्यार्थियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए वार्ड, जोन और नगर स्तर पर वेस्ट टू आर्ट, निबंध, क्विज, रील्स जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम के तहत स्कूल स्टार रेटिंग प्रणाली के माध्यम से स्कूलों को 1 स्टार, 3 स्टार या 5 स्टार स्वच्छ स्कूल का दर्जा प्रदान किया जाएगा। इसके मूल्यांकन के लिए तृतीय पक्ष से आकलन कराया जाएगा।